डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

PG-8

सिनेमाःरवीना टंडन ने फिल्म 'इम्तिहान' के 28 साल पूरे होने पर शेयर कीया

वर्ष -08 अंक -13 | प्रयागराज, सोमवार 14 मार्च, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

आइपीएस रश्मि शुक्ला की गिरफ्तारी पर बांबे हाई कोर्ट ने एक अप्रैल तक लगाई रोक

मुंबई। बांबे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को कथित फोन टैपिंग मामले में आइपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला के खिलाफ एक अप्रैल तक के लिए दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। अदालत ने पुलिस से कहा कि वह इस अवधि तक आइपीएस अधिकारी को गिरफ्तार न करे। रश्मि शुक्ला ने इस सप्ताह की शुरुआत में अधिवक्ता समीर नांगरे के माध्यम से दायर अपनी याचिका में दावा किया कि उन्हें मामले में झूठा फंसाया गया है। कोलाबा थाने में दर्ज इस मामले में उन पर एक पुलिस अधिकारी ने शिवसेना सांसद संजय राउत और राकांपा नेता एकनाथ खडसे का फोन टैप करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को जस्टिस प्रसनन बी वराले और श्रीराम एम मोदक की खंडपीठ ने रश्मि शुक्ला को अंतरिम राहत देते हुए मामले की अगली सुनवाई अगले महीने के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले चार मार्च को हाई कोर्ट की पीठ ने पुणे के बंड गार्डन पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद करने के लिए दायर एक अन्य याचिका में 25 मार्च तक गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की थी।

पीएम मोदी ने गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार का किया शंखनाद, ने की तिरंगा यात्रा की घोषणा

अहमदाबाद। पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां गुजरात में विधानसभा चुनाव प्रचार का शंखनाद कर दिया वही आम आदमी पार्टी ने भी राज्य में तिरंगा यात्रा निकालने की घोषणा की है। आप पार्टी के दिल्ली के छह विधायक गुजरात में शनिवार से 15 मार्च तक तिरंगा विजय यात्रा के जरिए पार्टी के लिए एक प्लेटफार्म तैयार करेंगे ताकि गुजरात के मतदाताओं को रिझाया जा सके। आप गुजरात के प्रभारी एवं विधायक गुलाब सिंह यादव, विधायक सौरभ भारद्वाज आदि 6 नेता गुजरात की यात्रा पर है। आप गुजरात के संयोजक गोपाल इटालिया एवं प्रदेश के नेता ईशुदान गढ़वी ने बताया कि गुजरात में आम आदमी पार्टी एक नया विकल्प बनकर रहेगी। पिछले करीब तीन दशक से गुजरात में भाजपा एवं कांग्रेस की मिलीजुली सरकार चल रही है।

रियल एस्टेट डेवलपर के ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई

नई दिल्ली। रियल एस्टेट डेवलपर ओमैक्स ग्रुप पर आयकर विभाग ने शिकंजा कसा है। आयकर विभाग की टीम ओमैक्स ग्रुप के कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, आयकर विभाग की कार्रवाई अभी भी जारी है। सूत्रों ने बताया कि आईटी विभाग ग्रुप के दिल्ली, यूपी, हरियाणा और पंजाब के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। बता दें कि ओमैक्स ग्रुप का नेटवर्क यूपी, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश के कई इलाकों में फैला है। दिल्ली-एनसीआर में भी ओमैक्स के कई प्रोजेक्ट हैं।

योगी आदित्यनाथ की राह में क्या हैं बड़ी चुनौतियां, 2024 पर होगी नजर

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की वापसी हो चुकी है। सूबे में भाजपा को पूर्ण बहुमत हासिल हुआ है। योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्यमंत्री दूसरी पारी की शुरुआत करेंगे। इस बार का विधानसभा चुनाव कई मायने में बेहद खास रहा है। इस चुनाव में कई रिकार्ड टूटे हैं। चुनाव में कई अंधविश?वास और मिथक भी टूटे हैं। यहां एक सवाल बेहद अहम है कि योगी आदित्यनाथ की बतौर सीएम दूसरी पारी कैसी रहेगी। 2024 में आम चुनाव के मद्देनजर इस बार योगी की दूसरी पारी इतनी आसान नहीं होगी। उनके समक्ष कई चुनौतियां रहेंगी। आइए जानते हैं उन चुनौतियों के बारे में जो योगी के समक्ष आएंगी। 1- आवारा पशुओं से निपटना बड़ी चुनौतीः यूपी विधानसभा चुनाव में विपक्ष ने आवारा पशुओं के मुद्दे को जोरशोर से उठाया था। यह मुद्दा किसानों से जुड़ा हुआ है। योगी सरकार को घेरने के लिए आवारा सांड को चुनावी मुद्दा बनाया गया। सूबे में आवारा पशु किसानों के लिए एक बड़ी समस्या है। इस समस्या को योगी सरकार नजरअंदाज नहीं कर सकती है। यूपी में आवारा पशु किसानों को दोतरफा नुकसान पहुंचाते हैं। आवारा पशु खेतों में फसलों को तबाह करते हैं, वहीं दूसरा नुकसान आर्थिक और सुरक्षा के दृष्टिकोण से है। इन आवारा पशुओं से बचाने के लिए किसान को खेतों की तारबंदी करानी पड़ती है। योगी सरकार को इस समस्या पर गंभीरता से विचार करना होगा। ऐसे में योगी के सामने अपने अगले कार्यकाल में इस समस्या से निपटने की चुनौती होगी। 2- रोजगार पैदा करना होगी बड़ी चुनौतीः चुनाव के दौरान विपक्ष ने युवा मतदाताओं

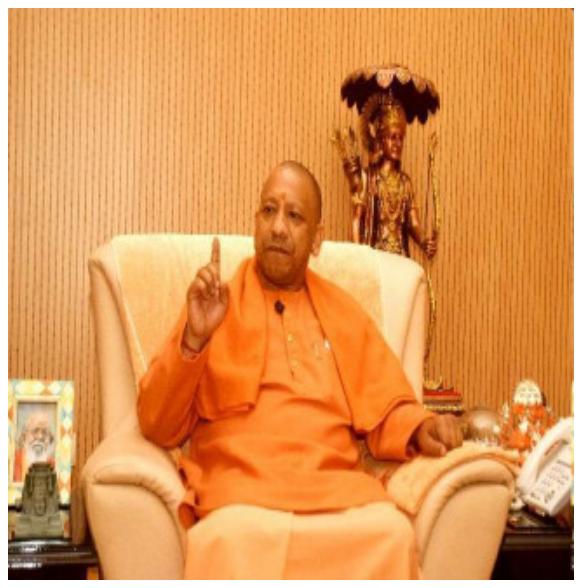

को लुभाने के लिए बेरोजगारी के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। विपक्ष का दावा था कि उत्तर प्रदेश का रोजगार दर पिछले पांच वर्षों में नीचे की ओर गई है। योगी के समक्ष दूसरी पारी में उत्तर प्रदेश में रोजगार पैदा करना एक बड़ी चुनौती होगी। सरकारी नौकरी के साथ-साथ कोरोना काल में लोगों के लिए नए मौके और रोजगार के अवसर पैदा करना योगी के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होगा। सेंटर फार मानिटरिंग इंडियन इकानामी के बेरोजगारी के आंकड़ों का विश्लेषण करने से ऐसा सामने आया कि पांच वर्षो में बेरोजगारों की तादाद में इजाफा हुआ है। इस रिपोर्ट के मुताबिक यूपी में रहने वाले उन लोगों की तादाद में 14 फीसद का इजाफा हुआ है, जिन्हें रोजगार की चाहत है। विपक्ष का दावा था कि यूपी में रोजगार दर पिछले पांच वर्षों में तेजी से गिरी है। 3- किसान विरोधी सरकार का लेबल हटाना बड़ी चुनौतीः यूपी विधानसभा चुनाव में किसान आंदोलन एक बड़ा मुद्दा बना। चुनाव के ठीक पहले मोदी सरकार ने तीनों कृषि कानूनों को वापस ले लिया था। ऐसे में विपक्ष ने भाजपा को किसान विरोधी सरकार बताने का पूरा प्रयास किया। हालांकि, किसान आंदोलन के बाद भी उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को लोगों ने सबसे ज्यादा पसंद किया। ऐसे में सूबे में किसानों के मुद्दों का समाधान करना बेहद जरूरी होगा। खासकर गनन किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारण करना होगा। उत्तर प्रदेश में किसानों के लिए बिजली और पानी का मुद्दा भी बड़ा होगा। 4- अपराधियों पर कार्रवाई कर सख्त छवि को बनाए रखनाः बीते कुछ वक्त से उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहचान 'बुलडोजर बाबा' के तौर पर की जाने लगी है। योगी राज पार्ट-एक में गुंडों और माफियाओं के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई हुई थी। अतीक अहमद से लेकर आजम खान तक सभी के खिलाफ जोरदार कार्रवाई हुई है। मुख्तार अंसारी के जेहन में तो योगी सरकार का इस कदर खौफ दिखा कि वो उत्तर प्रदेश छोड़कर पंजाब की जेल में शिफ्ट हो गया। मुख्तार को यूपी वापस लाने के लिए यूपी सरकार को सुप्रीम कोर्ट के चौखट तक जाना पड़ा था। योगी राज-2 में कानून व्यवस्था को टाइट रखना बड़ी चुनौती है। योगी को अपनी सख्त छवि को आगे भी बनाए रखना होगा। 5- 2024 के आम चुनाव तक भाजपा के ग्राफ को ऊपर ले जानाः देश में सत्ता की चाबी यूपी के पास होगी है। केंद्र का रास्ता यूपी से होकर ही जाता है। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में हर कोई ये बात बखूबी जानता है कि सारा दारोमदार यूपी पर टिका हैं। यूपी में जिस पार्टी का जादू चलता है वही सत्ता के सिंहासन तक पहुंचता है। इसलिए योगी के लिए आगामी दो वर्ष बेहद खास होगा। उत्तर प्रदेश में भाजपा के ग्राफ को ऊपर ले जाना उनके लिए एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि 2024 के आम चुनाव में पार्टी की इस सूबे से बड़ी उम्मीदें होंगी।

800 किलोमीटर से अधिक दूरी पर दुश्मन के ठिकानों पर हमला करने में सक्षम होगी ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल

नई दिल्ली। भारत की बढ़ती सामरिक ताकत से दुश्मनों की बेचैनी बढ़ने वाली है। अब कुछ ही समय में 800 किलोमीटर तक दुश्मनों के ठिकानों को निशाना बनाया जा सकेगा। दरअसल भारत सुपरसोनिक (ध्वनि की गति से तेज) ब्रह्मोस मिसाइल के हवा से मार करने वाले संस्करण को विकसित कर रहा है। यह मिसाइल 800 किलोमीटर दूर से दुश्मनों पर कहर बरपाएगी। इस समय सुखोई एमकेआइ- 30 लड़ाकू विमान से छोड़े जाने के बाद यह मिसाइल 300 किलोमीटर तक लक्ष्य को निशाना बनाने में सक्षम है। ब्रह्मोस मिसाइल की मारक क्षमता को उन्नत किया जा रहा है। भारत ने हाल ही में सामरिक मिसाइल की मारक क्षमता को बढ़ाया है। एक साफ्टवेयर में अपग्रेडेशन के साथ यह मिसाइल 500 किलोमीटर दूर के लक्ष्य को निशाना बना सकती है। भारतीय वायुसेना ने लगभग 40 सुखोई

लड़ाकू विमानों को ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों के अनुकूल बनाया है जो दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने में सक्षम होंगे। इस बीच हवा से हवा में मार करने वाले नए संस्करण को भी विकसित किया जा रहा है। यह नई मिसाइल 800 किमी की दूरी तक दुश्मन को निशाना बनाएगी। भारतीय वायु सेना चीन के साथ संघर्ष के दौरान इन विमानों को तंजावुर से उत्तरी क्षेत्र में लेकर आई थी।

सोनिया गांधी पद छोड़ने को तैयार लेकिन कार्यसमिति ने ठुकराई इस्तीफे की पेशकश, असंतुष्ट खेमे ने दी यह सलाह

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पांच राज्यों के चुनाव की हार के बाद कांग्रेस कार्य समिति की रविवार को हुई बैठक में गांधी परिवार का नेतृत्व छोड़ने की पेशकश कर दी। पराजय को लेकर नेतृत्व पर हो रहे चौतरफा हमलों की बात उठाते हुए सोनिया ने कहा कि पार्टी को लगता है कि गांधी परिवार का हट जाना कांग्रेस के हित में है तो वे तीनों (सोनिया, राहुल और प्रियंका) हटने के लिए ही नहीं कोई भी कुर्बानी देने के लिए तैयार हैं। हालांकि कार्य समिति ने सर्वसम्मति से इस पेशकश को ठुकराते हुए सोनिया गांधी के नेतृत्व में विश्वास जताया और पार्टी की मौजूदा हार से गहराए संकट को देखते हुए व्यापक संगठनात्मक बदलाव करने और खामियों को दूर करने के लिए अधिकार भी दे दिया। साथ ही कार्यसमिति में यह भी तय हुआ कि कांग्रेस को मौजूदा संकट से उबारने के लिए पार्टी तमाम वरिष्ठ नेताओं का संसद सत्र के तत्काल बाद एक चिंतन शिविर करेगी। सूत्रों के अनुसार सोनिया गांधी ने बैठक के अपने शुरुआती संबोधन में ही पांच राज्यों के चुनावों में कांग्रेस की हुई करारी शिकस्त पर पार्टी में उठ रहे असंतोष के मुखर स्वर के साथ ही राजनीतिक विमर्श में गांधी परिवार पर किए जा रहे हमलों की चर्चा करते हुए पद छोड़ने की पेशकश की। करीब पांच घंटे चली बैठक में उन्होंने कहा कि कार्यसमिति को ऐसा ही लगता है

तो वे तीनों पार्टी में अपनी भूमिका से पूरी तरह हट जाने के लिए तैयार हैं। कार्यसमिति ने सोनिया की इस पेशकश को तत्काल एक सुर में खारिज कर दिया। असंतुष्ट समूह के नेताओं की अगुआई कर रहे गुलाम नबी आजाद ने सबसे पहले इसे ठुकराते हुए कहा कि सोनिया गांधी के नेतृत्व पर उन लोगों ने कभी सवाल नहीं उठाए बल्कि कांग्रेस की लगातार खराब होती हालत को दुरूस्त नहीं किए जाने को लेकर सबकी चिंता है। गुलाम नबी आजाद के इस रुख के बाद सोनिया गांधी ने कार्यसमिति में बेबाक और खुली रूप में पार्टी के हालात पर अपनी बात रखने के लिए कहा। इस पर आजाद ने कहा कि कांग्रेस की गंभीर हुई राजनीतिक चुनौती को देखते हुए खामियों को दूर करने और बदलाव की बात उठाने पर विद्रोही और भाजपा का एजेंट करार दिया जाता है जबकि सच्चाई यह है कि जिन लोगों ने हमें भाजपा का एजेंट बताया वे खुद भाजपा में चले गए और हम तो पार्टी के साथ ही हैं। सूत्रों के अनुसार इसी दौरान राहुल गांधी की इस बात से आजाद ने सहमति जताई कि कांग्रेस ही भाजपा के खिलाफ विचाराधारा के आधार पर मजबूती से लड़ाई लड़ने वाली एकलौती पार्टी है। मगर आजाद ने यह भी कहा कि मौजूदा हालात में कांग्रेस अकेले भाजपा को नहीं हरा सकती ओर इसके लिए बाकी दलों को साथ लाना ही होगा। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी खेमे के कई दल फिलहाल पार्टी के साथ नहीं आ रहे हैं।

मणिपुर के नवनिर्वाचित विधायकों ने ली विधायकी की शपथ, गोवा में गणेश गांवकर बने प्रोटेम स्पीकर

नई दिल्ली। गोवा में जीत के बाद आज राज्यपाल ने निर्वाचित विधायक गणेश गांवकर को राजभवन में प्रोटेम स्पीकर के रूप

में शपथ दिलाई। राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई ने इसी के साथ नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने के लिए 15 मार्च को नई विधान सभा बुलाई है। राजभवन द्वारा जारी पत्र में यह बात कही गई है। दूसरी ओर मणिपुर में नवनिर्वाचित विधायकों ने विधानसभा के सदस्यों के रूप में शपथ ग्रहण की है। राज्यपाल ने उन्हें शपथ दिलाई है। मणिपुर में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिली है। 60 विधानसभा सीटों वाले इस राज्य में भाजपा ने पूर्ण बहुमत पाते हुए 32 सीटों पर कब्जा किया है। इसके साथ ही मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस को इस बार चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस को केवल 5 सीटें मिली है वहीं जेडीयू ने 6 सीटों के साथ खाता खोला है। दूसरी ओर नागा पीपुल्स फ्रंट को 5 सीटें जबकि नेशनल पीपुल्स पार्टी को 7 सीटें मिली है। कुकी पीपुल्स एलायंस ने इस बार 2 सीटों पर कब्जा किया है और निर्दलीयों ने 3 सीटों पर जीत दर्ज की है।

महिला नहीं है पत्नी, पति तलाक के लिए पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, जानें कोर्ट ने क्या कहा

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश से एक अनोखा मामला सामने आया है। एक पति ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा इसलिए खटखटाया है कि उसकी पत्नी एक महिला नहीं मर्द है। पति ने एक याचिका में कोर्ट से गुहार लगाते हुए कहा कि उसके साथ धोखा हुआ है, क्योंकि उसकी शादी पत्नी के मर्द होने की बात छुपाकर की गई है। पति ने कहा कि उसकी पत्नी का प्राइवेट पार्ट पुरुषों की तरह है और इसलिए वह उसके साथ नहीं रह सकता है। सुप्रीम कोर्ट ग्वालियर के उस व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई के लिए अब सहमत हो गया है जिसने तलाक के लिए याचिका डाली है। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एमएम सुंदरेश की बेंच ने मेडिकल रिपोर्ट देखने के बाद शुक्रवार को पत्नी से पति की याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। अदालत ने कहा, याचिकाकर्ता के वकील ने हमारा ध्यान अन्य बातों के साथ-साथ इस पर आकर्षित किया है कि प्रतिवादी का चिकित्सा इतिहास ठलिंग इम्परफोरेट हाइमनठ दिखाता है, इसलिए प्रतिवादी महिला नहीं है। कोर्ट ने इसके बाद नोटिस का जवाब चार सप्ताह में देने को कहा है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट जाने से पहले पति ने हाईकोर्ट में भी इस मामले को उठाया था। उस वक्त हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश के जारी रखते हुए शिकायत को खारिज कर दिया था। हाई कोर्ट ने इस आधार पर मामला खारिज किया था कि केवल मौखिक साक्ष्य के आधार पर और बिना किसी चिकित्सीय साक्ष्य के ये कोई अपराध नहीं बनता है। इसके बाद जब पति इस फैसले से संतुष्ट नहीं हुआ तो उसने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अधिवक्ता प्रवीण स्वरूप के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि पुरुष और महिला की शादी जुलाई 2016 में हुई थी। याचिका में कहा गया है कि शादी के बाद, पत्नी ने कुछ दिनों तक इस बहाने से शारीरिक संबंध नहीं बनाया कि वह मासिक धर्म से गुजर रही है और उसके बाद उसने वैवाहिक घर छोड़ दिया और 6 दिनों की अवधि के बाद

लौटी। याचिका में यह भी कहा गया है कि बाद में जब पति ने फिर से शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की तो उन्होंने पत्नी में एक लिंग पाया। इसके बाद याचिकाकर्ता अपनी पत्नी को मेडिकल चेक-अप के लिए ले गया, जहां यह पता चला कि उसे 'इम्परफोरेट हाइमन' नामक एक चिकित्सा समस्या है। याचिका में आगे उल्लेख किया गया है कि महिला को सर्जरी से गुजरने की सलाह दी गई थी, लेकिन डाक्टर ने याचिकाकर्ता से यह भी कहा कि भले ही सर्जरी के माध्यम से महिला का अंग जोड़ दिया जाए, लेकिन उसके गर्भवती होने की संभावना लगभग असंभव है। इस मेडिकल जांच के बाद याचिकाकर्ता ने खुद को ठगा हुआ महसूस किया और अपनी पत्नी के पिता को फोन कर अपनी बेटी को वापस लेने के लिए कहा। याचिका के मुताबिक, महिला के पिता ने कथित तौर पर जबरन आदमी के घर में घुसकर उसे पत्नी को घर पर रखने की धमकी दी।

लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित, रूस ने यूक्रेन पर तेज किए हवाई हमले

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन युद्ध के 19वें दिन दोनों देशों के बीच आज फिर से वार्ता होगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच युद्ध की वजह से पैदा हुए हालात के बारे में चर्चा हो सकती है। वहीं, संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण आज से शुरू हो गया है। इससे पहले बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी को शुरू हुआ था, जो 11 फरवरी तक चला था। इस बार भी बजट सत्र में विपक्ष सरकार को कई मुद्दों पर घेर सकता है। इस बीच उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। इससे पहले सीएम योगी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की थी। उधर, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पांच राज्यों के चुनाव की हार के बाद पार्टी का नेतृत्व छोड़ने की पेशकश की। हालांकि, पार्टी नेताओं ने सोनिया गांधी की इस पेशकश को ठुकरा दिया है।

गरीब बच्चियों की शादी में बढ़ चढ़कर करते हैं अनुदान एस बी यादव

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। नगर पंचायत फूलपुर मोहल्ला फरीदाबाद में सपा जिला

उपाध्यक्ष नसीरुद्दीन राईन के आवास पर उन्ही के नेतृत्व में यादव समाज महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतापपुर विधानसभा के वरिष्ठ समाजसेवी श्री एस बी यादव जी का उनचासवा जन्मदिन केक काट कर धूमधाम से मनाया गया इस दौरान जिला उपाध्यक्ष नसीरुद्दीन राईन ने कहा कि एस बी यादव ने गरीबों मजदूरों, मजबूरों के दुख दर्द हो या गरीब परिवार की बच्चियों की सादी की बात हो या कोरोना काल में हर समाज के लोगों को राशन खाघान्य सामग्री हाड़ कांपती सर्दीयो में अलाव जैसे तमाम अन्य वस्तुओं से गरीबों के सुख-दुख में मदद करते रहते है ऐसे समाजसेवी को हम समाजवादी लोग दिर्घायु होने की कामना करतें हैं।इस दौरान सयुस विधानसभा अध्यक्ष कुमार मंगल, मुराद मंसूरी, विरेन्द्र यादव, परवेज आलम,मो इरफान,मो मसूद शारूख,चांदन बिंद,ध्रुव विश्वकर्मा,वाजिद तुफानी,यहिया सिद्दीकी, अरकान सिद्दीकी, सुफियान खान,वैश मंसूरी,अरशद खान,अवैश खान,।

शर्मनाक सीतापुर में प्रसव पीडिता को सीएचसी से भगाया, महिला ने सड़क पर बच्चे को दिया जन्म

लखनऊ। उत्तर-प्रदेश के सीतापुर की सिधौली सीएचसी में शनिवार को मानवीय संवेदनाओं को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई।गोंदलामऊ के शाहपुर निवासी अन्नू अपनी पत्नी रेनू को प्रसव के लिए आशा बहू के साथ एंबुलेंस से सीएचसी लेकर आया था।लेबर रूमके पास बैठी महिला डाक्टर ने 9.30 बजे इंट्री कर कहा अभी बाहर जाओ, काफी समय है। रेनू ने प्रसव पीड़ा की बात कही तो डाक्टर ने भगा दिया। रेनू गेट के बाहर खुले में दर्द से तड़पते हुए बैठ गई। कुछ देर बाद उसे प्रसव होने लगा इस दौरान वहा आस पास मौजूद महिलाओं ने घेरा बनाकर प्रसव में सहयोग किया। रेनू ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। इसको लेकर अस्पताल कमिर्यों में हड़कंप मच गया। आनन फानन स्वास्थ्य कर्मी जच्चा बच्चा को स्ट्रेचर से उठाकर अस्पताल के अंदर ले गए। रेनू के पति अन्नू ने बताया कि पहले महिला डाक्टर ने भगा दिया जबकि उसकी पतने को सुबह से तेज दर्द हो रहा था। इसी के चलते वह एंबुलेंस से लेकर आए थे। दर्द की बात बताने पर भी डाक्टर ने सहयोग नहीं किया। आखिर खुले में प्रसव हो गया, तब अस्पताल कर्मी अपने को बचाने के लिए जच्चा व बच्चा को अंदर ले गए। बताया जाता है

कि चार डाक्टर व 13 स्टाफ नर्स तैनात, तब यह हालः सीएचसी सिधौली में चार महिला डाक्टर व 13 स्टाफ नर्स की तैनाती है। फिर भी प्रसव के लिए आई गर्भवती के साथ इस तरह की लापरवाही सामने आई। हाईवे पर सीएचसी में इस तरह से मरीजों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। इस मामले मे अधीक्षक डा0 राकेश कुमार वर्मा ने मीडिया को बताया कि बाहर खुले में प्रसव होने का मामला संज्ञान में आया है।ऐसा नहीं होना चाहिए था। हम इसकी जांच करा रहे हैं। किसके स्तर से लापरवाही हुई। जिसे दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

वृद्ध आश्रमों में सभी वृद्धों के साथ मिलकर होली के पावन पर्व से पूर्व होली के पावन पर्व को मंगलमय मनाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। प्रिम रोज शिक्षा संस्थान एवं यूफोरिएल यूथ सोसाइटी ने वृद्धआश्रम में सभी वृद्धों के साथ मिल के होली के पावन पर्व को मंगलमय मनाया प्रिम रोज शिक्षा संस्थान एवं यूफोरिएल यूथ सोसाइटी ने संयुक्त तत्त्वधान में आधारशिला वृद्धआश्रम में सभी वृद्धों के साथ मिल के होली के पावन पर्व को मंगलमय मनाया। प्रिम रोज के अध्यक्ष श्री फरहान आलम,यूफोरिएल यूथ सोसाइटी

के अध्यक्ष श्री देवेश जायसवाल ने कार्यक्रम का सुरुआत करते हुए आधारशिला में मौजूद सभी व्रिधाओ से बात कर समझया जरूरी नही की हमारा परिवार वही हो जिससे खून का रिश्ता हो असल मायने में परिवार वो होता जिससे हम सुख दुःख बांट सके कहते हुए एक परिवार होने का एहसास दिलाया और इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए मौजूद वालंटियर्स ने उनके साथ नाच गाना करके उनका मनोरंजन किया जिसमे वहां पर मौजूद व्रिधाओ ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया होली के गीत एवं भजन गाये। अंत में फल एवं मिठाईया बांटी गयी और सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगा कर होली का त्योहार मनाया। इसे कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से मौजूद श्री अमन कुमार, श्री विनीत अग्रवाल, श्री सातविक जैसवाल, श्री मनु उपध्याय,श्री अनीश पांडेय, कुमारी तरु, कुमारी सुरभि और कुमारी आकांशा ने मिलकर सफल बनाया ।

राष्ट्रीय लोक अदालत ने किया 15 सौ से अधिक मुकदमों का निस्तारण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जनपद न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायाधीश / जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पांडे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। उन्होंने सभी न्यायिक अधिकारियों को अधिकतम संख्या में आपसी सुलह समझौते से मुकदमों के निस्तारण का निर्देश दिया।कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन नीरज कुमार त्रिपाठी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया। इस लोक अदालत में 15225 वादों का निस्तारण किया गया जिनमें 2833 फौजदारी के,7 एन आई एक्ट,73 विद्युत वाद,मोटर दुर्घटना के 33,वैवाहिक विवाद के 90,सिविल वाद के 1345,बैंक ऋण के 67 आदि मुकदमे निस्तारित किए गए।इन वादों से कई लाख रुपए के अर्थदंड, प्रति कर आदि प्राप्त हुए।

यूपी पीसीएस की परीक्षा में अभय की आई पांचवी रैंक

कहते है परिश्रम का फल मीठा होता है।इस कहावत को चरितार्थ करते हुए अभय उपाध्याय ने पीसीएस की परीक्षा में पांचवा स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। ओबरा नगर से ककहरा सीखने वाले इस होनहार छात्र ने मिर्जापुर माता प्रसाद माता भीख इंटर कालेज से इंटर की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया। इसके बाद तेजपुर यूनिवर्सिटी असम से मैकेनिकल ट्रेड बी टेक किया वर्ष 2017 पीएसएस मेंस निकालने के बाद उनका चयन नहीं हो सका। वर्ष 2018 में आईएएस में प्री निकालने के बाद भी सफलता नहीं मिली।इसके बाद वर्ष 2019 की पीसीएस की परीक्षा में पांचवा स्थान हासिल किया है।उन्होंने इसका श्रेय गुरुजनों सहित माता पिता को दिया। इनकी माता कुसुम लता एमएससी हैं। इनके पिता राजकुमार उपाध्याय ओबरा नगर के अंबेडकर चौराहा पर गुरु टी स्टॉल की दुकान चलाते है।

फूलपुर पुलिस द्वारा तीन नफर वारंटी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय द्वारा गठित पुलिस टीम के सदस्यों ने 3 नफर वारंटी संमोधी नाथ पुत्र बेनी प्रसाद

निवासी शेफखानपुर लालजी पुत्र तुलसीराम उम्र 35 वर्ष अरविंद कुमार पुत्र श्यामलाल उम्र 42 वर्ष को क्रमशः मुकदमा अपराध संख्या 173/ 07, 2863 /14, 2296/14 के तहत गिरफ्तार कर विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट जौनपुर के समक्ष पेश करने हेतु आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई सात सदस्यीय पुलिस टीम में उप निरीक्षक विनय कुमार मिश्रा उपनिरीक्षक माजिद खान उपनिरीक्षक जय सिंह नारायण यादव के अलावा कांस्टेबल विष्णु देव यादव कांस्टेबल विपुल कुमार कांस्टेबल संदीप यादव हेड कांस्टेबल श्याम नारायण यादव आदि लोग रहे।

ईबीएम एवं वीवीपैट संबंधी बखेड़ा चुनाव आयोग से की गई शिकायत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। अधिवक्ता संघर्ष समिति फूलपुर तहसील के अध्यक्ष शमीम अहमद सिद्दीकी के आवास शेखपुर मोहल्ले में अधिवक्ताओं ने एक बैठक कर चुनाव आयोग से उत्तर प्रदेश में चुनावी गड़बड़ी वाराणसी एवं बरेली में पकड़ी गई बीवी पैड एवं ईवीएम संबंधी शिकायतों के चलते चुनावी प्रक्रिया का माखौल उड़ाए जाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि प्रत्याशियों की मेहनत और खर्च पर मिनटों में पानी फेरने वालों को कानून के दायरे में लाया जाए। यदि ऐसे होता रहा तो भय के मारे लोग चुनाव लड़ना ही छोड़ देंगे। मौके पर मौजूद अधिवक्ताओं ने चुनाव आयोग से इस प्रथा पर रोक लगाने की मांग की। मौके पर सौरभ यादव, विजय बहादुर यादव, महेश यादव, कमलेश यादव, प्रकाश चंद यादव आदि उपस्थित रहे।

फूलपुर एग्री जंक्शन कृषि केंद्र सावडीह मे किसान गोष्ठी का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। फूलपुर एग्री जंक्शन कृषि केन्द्र सावडीह किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे कृषि विशेषज्ञ जोगिंदर सिंह ताकी सीट्स कम्पनी लिमिटेड की तरफ से आयोजन किसानों को जायद की फसल खीरा भिंडी नेनुआ करेला

उर्द मूंग के बीज की जानकारी उपलब्ध कराई गई किसानों को हाइब्रिड बीज का चयन एव बीज शौधन भूमि शौधन करने से फसल का उत्पादन अधिक होगा इस तरह फसल की देख रेख के लिये उचित समय पर फंगीसाइड दवाओं का प्रयोग करते रहे जिससे फसलो मे रोग नही लगे इस तरह कृषि सलाहकार एग्री जकशन कृषि केन्द्र प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह ने उपस्थित किसानों का खेती की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जो जायद एव खरीफ की फसल पर चचा गेहूँ एव सरसों की फसल की कटाई एव मडाई रख रखाव के बारे मे बताया गया किसानों को खेती के साथ पशुपालन एव बकरी पालन मछली पालन मुगीपालन मधुमक्खी पालन करने की सलाह दिया गया जिस से किसानों की आय दो गुनी हो सके इसी क्रम मे एग्रीना वायोटेच के कम्पनी की तरफ से किसानों को नई तकनीकी नैनो पर जैविक उत्पाद दवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई ताकी सीडस कम्पनी की तरफ से सभी किसानों को थैला एव कृषि सम्बन्धित किताब उपलब्ध कराकर किसानों को सम्मानित किया गया कृषि विशेषज्ञ जगविंदर सिंह अशोक कुमार मौर्य जितेंद्र कुमार मौर्य एग्री जंक्शन कृषि केंद्र प्रभारी धर्मेद्र सिंह उपस्थित किसान कल्लूराम पटेल विजय पाल सिह वंशीलाल सतीश कुमार राकेश यादव सुभाष यादव अजय यादव शहबाज अरुण कुमार जगबहादुर सुनील मिश्रा सतीश पटेल अनिल कुमार राय साहब गुलाब मौर्य राधे राम सिंह पाल लालचंद सैकड़ों किसान उपस्थित थे

मेरे मौला है ज़माने में अमीरों का अमीर कौन कहता है गरीबी से परेशान हु मैं बारगाहे मोमनीन इमामबाड़ा मोइया सादात में जश्ने सैयदे सज्जाद के उनवान पर सजाई शायरों ने महफिल

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। बारगाहे मोमनीन इमामबाड़ा मोइया सादात में जशने सैयदे सज्जाद के मौके पर महफ़िल आयोजित की गई जिसमे देश एव प्रदेश से आये हुए मशहूर शायरों ने बेहतरीन कलाम पेश किए इमामबाड़े को आकर्षक लाईटों और रंगबिरंगे कागज़ के फूलों से सजाया गया था मनाज़िर अख्तर फतेहपुरी की निज़ामत मे शायरों ने सैयदे सज्जाद की शान में एक से बढ़ कर एक कलाम सुनाते हुए वाह वाही बटोरी।मौलाना नाज़िम हुसैन साहब क़िबला ने सैयदे सज्जाद की हदीस को बयान किआ शायर खुर्शीद हैदर मुजफ्फरनगर ने पढ़ा मेरा मौला है ज़माने में अमीरों के अमीर कौन कहता है गरीबो से परेशान हु मय व शायर ज़मीर भोपातपुरी ने कहा आबिद से पूछा इसलिए ज़ैनब ने मस अला दुनिया ना कह सके कि इमामत नही मिली नायाब बलियावी ने पढ़ा महशर से पहले कोई कायनात नही मिली अच्छा हुआ ज़री को इजाज़त नही मिलीजमन मोइयावी ने अपने तास्सूरात का कुछ इस अन्दाज़ मे इज़हार किया। रेहान आज़मी ने पढ़ा कर्बला के बाद थी उसको मसीहा की तलाश दीने पैगम्बर गया खुद आबिदे बीमार तक सज्जाद फैजाबादी जफर नसीराबाद कमाल कानपुरी साजिद मोइयावी अली अकबर ने भी कलाम पेश कर खूब वाहवाही लूटी महफ़िल के बाद अक़ीदतमन्दों ने नज़्रे सैयदे सज्जाद तबर्रुक के तौर पर ग्रहण किया।सभी की सेहत सलामती रिज़्क़ और मुल्के हिन्दूस्तान मे अमनो अमान और हर वबा से महफूज रहने की दुआ की गई महफ़िल में आये हुए सभी लोगो का हैदर अली ज़मन मोइयावी ने शुक्रिया अदा किया महफ़िल में हैदर अली अली अकबर अली औसत अबुतालिब इज़हार हुसैन रेहान अकरम दिलदार सरताज सैफ शबी आरिफ वसी हैदर उत्तम सिंह जिलापंचायत सदस्यरमेश प्रधान इकरार अब्बास काज़मी कादिर आदि लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 31 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

होली के रंगों से सराबोर नजर आया बीएचयू कैंपस, तस्वीरों में देखें कैंपस में बिखरे अनोखे रंग

वाराणसी। चुनाव खत्म होने के बाद अब होली का खुमार पूर्वांचल में नजर आने लगा है। वहीं देश में सर्वविद्या की राजधानी मानी जाने वाली काशी में भी बाबा भोले के विवाह के बाद रंगों का उत्सव रंगभरी एकादशी के बाद से नजर आ रहा है। बाबा की नगरी काशी में रंगोत्सव की परंपरा भी बाबा भोले के विवाह से जुड़ा माना जाता है। रंगों का उत्सव होली का खुमार भी घाट से गलियों तक खूब नजर आता है। वहीं बीएचयू में शनिवार के बाद कैंपस के छात्र अपने घरों की ओर रुख करेंगे। इस लिहाज से शनिवार को बीएचयू में होली खूब खेली गई। छात्र- छात्राओं में होली का उल्लास बिखरा नजर आया और रंगोत्सव की खुशियां भी कैंपस में बिखरी नजर आईं। तस्वीरों में देखें बीएचयू में दृश्य कला संकाय में होली के बिखरे रंग बीएचयू में रंगोत्सव : होली के रंगों का उत्साह शनिवार की सुबह से ही कैंपस में बिखरा नजर आया। कैंपस में युवक और युवतियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बीएचयू में रंगोत्सव रंगों के खुमार में डूबी छात्राओं ने पहले कैंपस में होली खेली और फिर सेल्फी लेने के बाद अपनी इंटरनेट मीडिया की प्रोफाइल भी बदली। बीएचयू में रंगोत्सव छात्रों ने छात्राओं के चेहरे गुलाल से रंगे तो छात्राओं ने भी रंगों से छात्रों को सराबोर कर दिया। बीएचयू में रंगोत्सव छात्रों ने भी छात्राओं के चेहरे गुलाल से लाल किए तो रंगों का उल्लास कैंपस में भरपूर नजर आया। बीएचयू में रंगोत्सव रंगों से सराबोर चेहरे लिए छात्र और छात्राओं की टोली ने खूब मस्ती की और तस्वीरें खिंचवा कर यादों को भी खूब सहेजा। बीएचयू में रंगोत्सव : युवाओं की टोलियों ने हंसी ठिठोली की और नाच गाने संग उनके कदम भी धुनों पर खूब थिरकते नजर आए। बीएचयू में रंगोत्सव : एक दूसरे के गाल लाल करने के लिए पकड़ कर गुलाल मलने का क्रम सुबह से दोपहर तक कैंपस में जारी रहा। बीएचयू में रंगोत्सव : फगुनी बयार में युवाओं की टोलियों ने हंसी ठिठोली के बीच खूब यूपी वाला ठुमका भी लगाया और रंग फिजां में घुलते रहे। बीएचयू में रंगोत्सव छात्राओं का अलग ही उत्साह नजर आया। कैंपस में सहेलियों और सखियों के गाल लाल करने के साथ ही उनको बधाई देने का क्रम दोपहर तक चलता रहा। बीएचयू में रंगोत्सव : कैंपस में पूल पार्टी का भी दौर चला और कैंपस में पानी भरे पूल में रंगों और फूलों की पंखुड़ियों का मिलन रंगोत्सव की खुमारी अपने आप बयां करता नजर आया।

गायत्री महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने दी आहुति,हुआ विभिन्न संस्कार

आधुनिक समाचार सेवा
सर्वेश कुमार यश

रोहनिया (वाराणसी)। मोहनसराय चौराहा गंगापुर रोड पर गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में शाखा मोहनसराय गायत्री परिवार के नेतृत्व में हो रहे तीन दिवसीय प्रज्ञा पुराण कथा एवं गायत्री महायज्ञ कार्यक्रम के दूसरे दिन शनिवार को मां गायत्री तथा परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा व वंदनीया माता भगवती देवी का विधिवत पूजन आरती करने के उपरांत सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक गायत्री महायज्ञ तथा विभिनन संस्कार किया गया। इसके बाद सायंकाल 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक कथावाचक पंडित विद्याधर मिश्र तथा युग गायक नरेंद्र मिश्रा आचार्य जी द्वारा संगीतमय पावन प्रज्ञा पुराण कथा सुनाया गया।कथा के दौरान विद्याधर मिश्र ने बताया कि हमारे भारतीय अध्यात्म एवं दर्शन के चार सशक्त स्तम्भ गौ,गीता,गंगा और गायत्री हैं। गायत्री महामंत्र हमारी चेतना को जागृत कर सकारात्मक विचार पैदा करता है और सकारात्मक विचार ही प्रगति का सर्वोच्च मार्ग है। कार्यक्रम के दौरान आए हुए श्रद्धालुओं ने भगवती भंडारा में प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के अंत में गायत्री शक्तिपीठ नगवा के मुख्य ट्रस्टी डॉ रोहित गुप्ता,जोन प्रभारी प्रसेन सिंह,उप जोन प्रभारी सुरेश चंद्र यादव एवं वीरेंद्र सिंह सहित क्षेत्र के विशिष्ट जनों को सम्मानित भी किया गया। इस कार्यक्रम में गायत्री परिवार के लोगों के साथ साथ हजारों की संख्या में क्षेत्रीय श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

युवा ट्रक ड्राइवर की कोई दुर्घटना में मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जेठवारा थाना क्षेत्र के डांडी पूरे रंजीत निवासी मोहम्मद रईस उर्फ ननचू लगभग 27 वर्ष की ट्रक चलाते समय आमने -सामने की भिड़ंत में दर्दनाक मौत हो गई।उसके मौत की सूचना पर घर में कोहराम मच गया।दो छोटे बच्चों के ऊपर से जहाँ पिता का साया उठ गया।वहीं बूढ़े बाप के लिए भी रोटी का सहारा छिन गया है।

मोहम्मद रहीस उर्फ न्नचू ट्रक चला कर अपनी आजीविका चलाता था।प्रयागराज के नारी बारी में ट्रेलर से उसकी ट्रक की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई।उसकी लाश घर पर आने पर घरवालों का जहाँ बुरा हाल था। वहीं पास पड़ोस के लोग भी उसकी मौत से गमजदा दिखाई पड़े। उसका 7 साल का बेटा मोहम्मद अफजल और 8 माह की बेटी अलीजा बानो के ऊपर से पिता का साया उठने से उनके परवरिस का संकट आ खड़ा हुआ है।

जनपद सीतापुर 710 लीटर अवैध शराब,01 भट्टी सहित 34 अभियुक्त गिरफ़्तार

पुलिस उपमहानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री आर.पी.सिंह द्वारा जनपद में अवैध शराब निष्कर्षण, बिक्री एवम् परिवहन की रोकथाम के लिये कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देश के अनुपालन के क्रम में दिनांक 12/13.03.2022 को जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस टीमों द्वारा भिन्न -भिन्न स्थानों पर चेकिंग के दौरान कुल 710 लीटर अवैध शराब,01 भट्टी सहित 34 अभियुक्तों को गिरफ़्तार किया गया ।

युवांओ को सशक्त बनाने हेतु लगा रोजगार मेला

आधुनिक समाचार सेवा
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी (मिर्जामुराद)। खजुरी चट्टी गांव (साधु कुटिया) के पास हाईवे किनारे एक लान में रविवार को मित्र सेवा फाउंडेशन की ओर से विकास सबके द्वार कार्यक्रम के तहत डिजिटल इंडिया क्रांति के माध्यम से युवांओ को स्वरोजगार उपलब्ध कराने व सशक्त बनाने हेतु रोजगार मेला एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।इस अवसर पर बैंक मित्र एवं डिजिटल सेवा से जुड़े सभी मित्रों को वित्तीय समावेश, सामाजिक विकास, महिला सशक्तिकरण, कृषक कल्याण, डिजिटल सिस्टम प्रोत्साहन आदि की जानकारी प्रदान कर सेवा से जुड़

रोजगार अपनाने के साथ ही उससे संबधित प्रशिक्षण दिया गया। मेला में पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से आए चार सौ युवांओ ने भाग लिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मित्र सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रेम सिंह आजाद ने संचालित विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला साथ ही मित्र सेवा से जुड़े लोगो के लिए हर वर्ष 5 लाख का दुर्घटना बिमा व एक लाख आफिसियल सामानों के चोरी होने या टूटने फूटने पर देने का ऐलान किया।विशिष्ट अतिथि के रूप में रेनू सिंह व हरिकृष्णा उपस्थित रहे। आयोजक एरिया मैनेजर अभय त्रिपाठी व असिस्टेंट एरिया मैनेजर विनीत त्रिपाठी ने रोजगार मेले में आए अतिथियों का आभार जताया।इस दौरान एरिया मैनेजर मध्य प्रदेश श्रीकांत कश्यप, फील्ड ऑफिसर यूपी ईस्ट राहुल कुमार यादव, राकेश केसरी, विकास त्रिपाठी, आनंद सिंह कुंडा, संध्या तिवारी, राजेश कुमार, अकील अहमद सहित दर्जनों लोग रहे।संचालन नीरज पांडेय ने किया।

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के करीब चौक पुलिस ने पकड़ा 25 क्विंटल विस्फोटक सामग्री

वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम से दो किलोमीटर दूरी पर भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री उतारते हुए गुरुवार की रात चौक पुलिस ने छापेमारी कर जब्त कर लिया। अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपित फरार हो गए। चौक पुलिस ने मौके से 100 पेटी में 25 क्विंटल तेज आवाज के पटाखा बरामद किया। इसकी कीमत 15 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। फिलहाल, दो आरोपितों का नाम सामने आया है, उनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। निर्माणाधीन मकान किसका है इस बारे में पुलिस पता लगाने में जुटी है। निर्माणाधीन मकान में विस्फोटक सामग्री वाहन से उतारकर एकत्रित किया जा रहा था जिससे होली पर बाजार में बेचा जा सके। होली पर पटाखा बेचने के लिए पियरी चौकी क्षेत्र के हड़हा सराय में निर्माणाधीन मकान में रात में चोरी से एक मिनी ट्रक से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री उतारे जा रहे थे। चौक इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा को मुखबिर से सूचना मिली कि हड़हा सराय में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री एकत्रित किए जा रहे हैं। इंस्पेक्टर ने पियरी पुलिस चौकी प्रभारी प्रीतम तिवारी, प्रशिक्षु एसआइ नवीन कुमार चतुर्वेदी, राजेंद्र यादव के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की तो पुलिस देख मिनी ट्रक और माल उतारने वाले मजदूर फरार हो गए। टीम ने दौड़ाकर उन्हें पकड़ने की कोशिश की लेकिन अंधेरा होने के कारण पता नहीं चला। दशाश्वमेध एसीपी अवधेश पांडेय ने बताया कि पुलिस की कार्रवाई में मौके से 100 पेटी में करीब 25 क्विंटल विस्फोटक सामग्री बरामद हुए हैं। पूछताछ में मालूम चला कि हड़हा सराय निवासी मोहम्मद रिजवानन और राजकुमार उर्फ अब्दुल हमीद का यह माल है। दोनों के खिलाफ चौक थाने में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित कर लगाई गई हैं। इस माल की बरामदगी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विस्फोटक सामग्री अति संवेदनशील स्थल काशी विश्वनाथ मंदिर के दो किलोमीटर के दायरे में है।

होली नृत्य का इवेंट मैनेजमेंट : होली डांसर बेहोश और गोपिकाएं होली डांस के इवेंट की तैयारी करने चल पड़ीं

वाराणसी। नए दौर की होली में अब उसी गोपाल की पूछ है जो निरा ठन-ठन गोपाल न हो, वरना गोपिकाओं के होली डांस को स्पांसर करने को तैयार बैठी हैं बड़ी-बड़ी कंपनियां। पढ़िए आलोक पुराणिक का व्यंग्य होली का मौका, होली डांसर पहुंच रहे हैं गोपिकाओं के साथ होली-डांस करने। होली-डांसर हैरान-परेशान है, गोपिकाएं लिफ्ट नहीं दे रही हैं। होली डांस की बात करो, तो पूछने लगती हैं कि 'बताओ नेल-पालिश कैसी लग रही है। महंगी है, हे होली डांसर ग्वाले तू अफोर्ड ना कर सकता यह।' होली डांसर नंबर टू (दुखी होकर), 'गोपिके, हाल खराब है। एनुअल इंक्रीमेंट बहुत खराब हुए। तेरे लिए इस बार बिंदी का पैकेट तक न ला पाया। सारे पैसे खाने में ही खत्म हो गए। गोपिका ताना दे रही है, 'तुम्हारे पास खाने के पैसे नहीं हैं, फिर काहे आ गए यहां होली-डांस करने होली डांसर (चकरायमान भाव में), 'अरे होली तो पावन पर्व है, तू कैसी बात कर रही है गोपिके गोपिके, 'पर्व व्हाट डू यू मीन बाय पर्व-तुम मुझसे हिंदी में बात किया करो। ये संस्कृत मुझे समझ नहीं आती। होली अब इवेंट है, इवेंट। इस पर हम उनके साथ डांस करेंगे, जिन्हे इवेंट मैनेजमेंट कंपनी वाले लेकर आएंगे। इवेंट मैनेजमेंट वाले हमारे साथ डांस की इजाजत उन अंग्रेजों, अमेरिकनों को देंगे, जो डांस के ग्लोबल टेंडर भरकर हमारे साथ डांस करने की सबसे ज्यादा कीमत चुकाएंगे। इस डांस के शो स्विटजरलैंड और अमेरिका के टीवी पर आएंगे। होली अब ग्लोबल इवेंट है, तू बस बरसाने का मान रहा है इसे होली डांसर चकरा चुका है। होली पर्व है, बचपन से पढ़ता आया है। पर्व पर गर्व है, होता रहे, पर इससे अब परपस सर्व नहीं होता। गोपिकाएं बहुत स्मार्ट हो चुकी हैं। होली इवेंट हो गई है। इवेंट है, तो मैनेजमेंट करने वाले कूद लिए हैं। मैनेजमेंट वाले कूदे हैं, तो ब्रांड बनेगा। ब्रांड बनेगा, तो कमाइयां होंगी। कमाइयां होंगी तो और बड़ा ब्रांड होगा। और बड़ा ब्रांड बनेगा, तो गोपियों की अगली होली-शूटिंग स्विटजरलैंड या अमेरिका में ही हो सकती है, गोपियां ये सोच-सोचकर हर्षित हो रही हैं। हे गोपिके, प्लीज पुरानी दोस्ती है अपनी, हर होली पर हम साथ-साथ नाचे है, दूरदर्शन की पुरानी क्लिपिंग्स में हम साथ नाचते गाते नजर आ रहे है। इस कदर होली को इवेंट न बना। होली डांसर चिरौरी कर रहा हैगोपिका, 'देखो, हम गोपिकाओं के हाथ में अब कुछ नहीं हैं। सारे कांट्रेक्ट साइन हो गए हैं। अब हम मुस्कुराएंगे तो भी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को हिसाब देना पडे.गा कि फालतू के होली डांसर पर एक स्माइल क्यों खर्च की यू सी, हम पूरे के पूरे स्पांसर्ड हो रखे हैं। बालों की क्लिप उस कंपनी ने स्पांसर की है, हार उस ज्वैलर कंपनी का है, ये कपड़े उस साड़ी हाउस ने स्पांसर किया है, देख तू ब्लाउज के ऊपर उसका ब्रांड टंका है। पांवों में घुंघरू उस वाली डांस क्लास कंपनी ने स्पांसर किया है। हे होली डांसर, हम तुझे दिख रहे हैं, पर हम हैं नहीं, हम तो स्पांसर्ड बाय सम कंपनी है। हम चाहें तो भी, बगैर पेमेंट के तुझे स्माइल तक नहीं दे सकते, हम पर फाइन हो जाएगा।गोपिका- 'हाय तुझे कैसे पता बदल गया मेरे मुंह का टेस्ट, महकती सांसों वाला टूथपेस्ट, उस टूथपेस्ट ने हमारी महकती सांस स्पांसर की है। हर तीन मिनट के बाद हमें डांस में कामशिन्यल ब्रेक लेना है और कहना है कि हमारी सांसों का राज है फलां टूथपेस्ट। होली डांसर गुस्से में चीखा, 'हे भगवान, तुम सिर्फ स्पांसरों के लिए डांस करोगी क्या पर्व का, उल्लास का कोई मतलब नहीं है क्या गोपिका, 'ओह, उल्लास- क्यूट नेम न, वो कंपनी वाला हमसे पूछ रहा था न किसी बनियान का अच्छा सा नाम, उसे बता देंगे उल्लास नाम रख लो, हमें क्यूट नाम बताने का पेमेंट मिल जाएगा। चलो हमें कुछ एक्स्ट्रा इनकम हो जाएगी।होली डांसर फिर गुस्से में बोला, 'इनकम, एक्स्ट्रा इनकम, रुपए इसके अलावा कुछ सोचती भी हो क्या दूसरी स्मार्ट गोपिका ने जवाब दिया, 'हां बिल्कुल सोचते हैं। हम सिर्फ रुपए की नहीं सोचते, हम तो पौड, डालर में कमाने की भी सोचते हैं। वैसे तुम हमारे साथ डांस नहीं कर पाओगे, यू आउटडेटेड डांसर!'होली डांसर फिर चकरायमान है, 'हम क्यों नहीं डांस कर सकते तुम्हारे साथ' गोपिका, 'बुद्धू तीन मिनट बाद कामर्शियल ब्रेक करना होता है। जैसे डांस हो रहा है-आज बिरज में होली खेले रसिया-पर डांस हो रहा है, तो तीन मिनट बाद हम बताएंगे कि ये होली-डांस बिरज डेवलपमेंट कारपोरेशन द्वारा प्रायोजित।

मंगल गीतों के बीच गौरा के तन सजी हल्दी

वाराणसी। फागुन शुक्ल एकादशी पर रंगभरी एकादशी के मान-विधान के तहत श्रीकाशी विश्वनाथ गौरा का गौना कराएंगे। इसकी रंगत महंत आवास पर निखर उठी है। वहां रौनक गौरा के मायके की तरह है। मुख्य उत्सव तो रंगभरी एकादशी पर 14 मार्च को मनाया जाएगा, लेकिन इसकी रौनक छाने लगी है। शुक्रवार को टेढ़ीनीम स्थित महंत आवास पर गौरा के रजत विग्रह को हल्दी लगाई गई। तेल-हल्दी की रस्म के लिए सुहागिनों और गवनहारियों की टोली संध्या बेला में महंत आवास पहुंची। इसमें मोहल्ले की बुजुर्ग महिलाएं भी शामिल हुईं। ढोलक की थाप और मजीरे की खनक के बीच मंगल गीत गाते हुए गौरा को हल्दी लगाई। इससे परिसर गुंजायमान हो उठा। लोक संगीत के बीच शिव-पार्वती के मंगल दांपत्य की कामना पर आधारित पारंपरिक गीतों का क्रम देर तक चला। 'गौरा के हरदी लगावा, गोरी के सुंदर बनावा..','सुकुमारी गौरा कइसे कैलास चढ़िहें गौरा गोदी में लेके गणेश विदा होइहैं ससुरारी' आदि गीतों में गौने के दौरान दिखने वाली श्यावली का बखान किया गया। मंगल गीतों में यह चर्चा भी की गई कि गौना के लिए कहां क्या तैयारी हो रही है। दुल्हे के स्वागत के लिए कौन-कौन से पकवान बनाए जा रहे हैं। सखियां पार्वती का साज श्रृंगार करने के लिए कैसे कैसे सुंदर फूल चुन कर ला रही हैं। हल्दी की रस्म के बाद नजर उतारने के लिए 'साठी क चाऊर चूमिय चूमिय.' गीत गाकर महिलाओं ने गौरा की रजत मूर्ति को चावल से चूमा। महंत डा. कुलपति तिवारी के सानिध्य में संजीव रतन मिश्र ने माता गौरा का श्रृंगार किया। अंकशास्त्री पं. वाचस्पति तिवारी के संयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम ''शिवांजली'' का आयोजन किया गया। इसमें आराधना सिंह, पुनीत कृष्ण जेटली, संजय दुबे, प्रियंका पांडेय व रीता शर्मा ने शिव भजनों की प्रस्तुति की। अब रंगभरी एकादशी पर बाबा विश्वनाथ, माता पार्वती संग प्रथमेश की चल प्रतिमा की पालकी यात्रा निकाली जाएगी। लोकाचार के लिए महंत आवास पर पालकी की मरम्मत से लेकर बाबा के राजसी स्वरूप और पूजन परंपरा के साथ गौरा के गौना के सामान सूची बद्ध कर लिए गए हैं।

संवाद दिवस का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर । पुलिस उपमहानिरीक्षक/पुलिसअधीक्षक श्री आर.पी.सिंह के निर्देशानुसार आज दिनांक 13.03.2022 को समस्त थानों पर संवाद दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी थाना कार्यालयों पर प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष द्वारा थानों पर उपस्थित पुलिस कर्मियों के साथ आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत विभिन्न विषयो पर वार्ता की गयी। वार्ता के दौरान पुलिस कर्मियों ने अपनी वैयक्तिक/कार्यकारी समस्याओं से भी अवगत कराया जिसके निस्तारण हेतु आवश्यक सुझाव एवम् संबंधित को निर्देशित किया गया।

सपा नेता रामगोविंद चौधरी की हार के बाद बड़ा सवाल कौन बनेगा उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

बलिया। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में कई परिणाम चौंकाने वाले रहे हैं। बलिया जिले की रसड़ा सीट पर जहां बसपा के एकमात्र उम्मीदवार ने जीत हासिल की है वहीं प्रदेश स्तर के दिग्गज नेता रामगोविंद चौधरी को भाजपा प्रत्याशी केतकी सिंह के आगे हार का सामना करना पड़ा। दरअसल राम गोविंद चौधरी उत्तर प्रदेश विधानसभा में बतौर नेता प्रतिपक्ष भी सत्ता पर सियासी चोट किया करते थे। अब वह सीट गंवाने के बाद नेता प्रतिपक्ष नहीं रहेंगे। यूपी की सियासत में सपा के दिग्गज नेता रामगोविंद चौधरी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शुमार हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए वह आठ बार विधायक चुने गए थे। सियासी सफर के दौरान बीते सत्र में उत्तर प्रदेश विधानसभा में बतैर नेता प्रतिपक्ष भी दमदारी से सरकार से सवाल करते रहे हैं। समाजवाद पार्टी के दिगज राजनेताओं में शामिल राम गोविंद चौधरी जयप्रकाश नारायण और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के करीबी भी रहे हैं। इस बार के जनादेश ने राजनीति के कई सूरमाओं को जमीन पर ला दिया है। उनका सियासी रसूख भी काम नहीं आया। बलिया में आठ बार के विधायक रहे और नेता प्रतिपक्ष के तोर पर दमदार भूमिका निभा रहे रामगोविंद चौधरी बांसडीह विधानसभा में निषाद पार्टी-भाजपा गठबंधन की प्रत्याशी केतकी सिंह से हार गए। उन्हें 21134 वोटों से केतकी ने करारी शिकस्त दी। 2017 में भी केतकी ने निर्दल ही लड़कर पूर्व मंत्री राम गोविंद को हार की दहलीज पर लाकर एक समय खड़ा कर दिया था। राम गोविंद चौधरी मात्र 1687 वोटों से चुनाव जीते सके थे, लेकिन इस बार केतकी को 102165 और राम गोविंद को 81030 मत मिले। राम गोविंद चौधरी इसी सीट से 2012 से लगातार विधायक थे। शानदार सियासी सफर : सपा नेता राम गोविंद चौधरी 1977 के विधानसभा चुनाव मे चिलकहर विधानसभा सीट से जनता पार्टी की ओर से जीतकर विधायक बने थे। उस समय कांग्रेस के जितेन्द्र बहादुर को उन्होंने हराया था। वर्ष 1980 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने दोबारा कांग्रेस के जितेंद्र बहादुर को हराया था। वर्ष 1985 के विधानसभा चुनाव में तीसरी बार जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बने थे। वर्ष 1989 के विधानसभा चुनाव में राम गोविंद चौधरी चौथी बार विधायक चुने गए तो उनका कद बढ़ने लगा। वर्ष 1991 के विधानसभा चुनाव में वह जनता पार्टी की ओर से विधायक बने और इस बार उन्होंने बसपा के छोटेलाल को हराया था। सपा नेता राम गोविंद चौधरी दिसंबर 1990 से 1991 तक मुलायम सरकार में उद्यान, खाद्य प्रसंस्करण मंत्री थे। वर्ष 1993 के विधानसभा चुनाव में रामगोविंद चौधरी जनता दल के टिकट पर चिलकहर विधानसभा सीट से लड़े, लेकिन सपा-बसपा गठबंधन प्रत्याशी से चुनाव हार गए। 1996 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी जनता पार्टी (राष्ट्रीय) से चिलकहर विधानसभा सीट से चुनाव लड़े और चौथे नंबर पर भी रहे। सपा के विपक्ष में रहने के दौरान नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह पूर्वांचल और प्रदेश के मुद्दों पर सरकार को घेरते रहे।

करोड़ों रुपये की कृतियां अमेरिका से लाकर बीएचयू को किया दान

वाराणसी । अमेरिका के न्यू जर्सी में रहने वाले किराना घराने के महान संगीतकार 87 वर्षीय पं. सुजान राणे ने वहां से लाकर करोड़ों रुपये मूल्य के 15 कीमती पोर्ट्रेट बीएचयू को दान किए है। इन पोर्ट्रेट को उन्होंने खुद 40 वर्ष की कठिन मेहनत से तैयार किया है। यहां आकर भावुक हो उठे इस वयोवृद्ध संगीतकार ने कहा कि मेरी इस चित्र साधना के प्रदर्शन के लिए बीएचयू से उपयुक्त स्थान पूरे विश्व में कहीं नहीं हो सकता। शास्त्रीय संगीत को अपनी अनन्य साधना के बल पर भारत के बाहर विदेशों में भी स्थापित किया। इन चित्रों में सुजान राणे ने भारत रतन पं. भीमसने जोशी, पं. रविशंकर, उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, विदुषी हीराबाई बड़ोदकर, मोघू बाई कोडिकर, बेगम अख्तर, पं. कुमार गंधर्व, उस्ताद अहमद जान थिरकुआ, उस्ताद बड़े गुलाम अली खां, किराना घराने के संस्थापक उस्ताद अब्दुल करीम खां, उस्ताद फिरोज दस्तूर, पं. बालकृष्ण, जयपुर घराने के उस्ताद अल्लादीया खां, आगरा घराने के उस्ताद फयाज खां, मेवाती घराने के पद्मविभूषण पं. जसराज के पोर्ट्रेट शामिल है। इन सभी चित्राकृतियों में उन कलाकारों की कार्यक्रम प्रस्तुति के दौरान की भाव-भंगिमाएं और मुखाकृतियां दर्शाई गई हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन पोर्ट्रेट की कीमत करोड़ों में बताई जाती है। पंडित सुजान राणे बीएचयू के परफार्मिंग आर्ट विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने आए हुए है। समर्पण समारोह में बीएचयू के वित्त अधिकारी डा. अभय ठाकुर, श्य कला संकाय के डीन प्रो. हीरालाल प्रजापति, संगीत एवं मंच कला संकाय के डीन प्रो. के शशिकुमार, कुमार अंबरीश चंचल, प्रो. संगीता पंडित, डा. ज्ञानेश पांडेय आदि उपस्थित थे।

डाला पुलिस ने 3 किलो 400 ग्राम गांजा के साथ दो अभियुक्त को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)।पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अमरेन्द्र प्रसाद सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में अवैध मादक पदार्थी की तस्करी पर प्रभारी अंकुश लगाने व उसमें संलिप्त अपराधियों के गिरफ्तारी व बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 12.03.2022 को चौकी डाला पुलिस द्वारा 02 नफर अभियुक्तो 1- मुरारी वंशल पुत्र स्व0 रामखेलावन निवासी मलीन बस्ती डाला थाना चोपन सोनभद्र 2- न्नाहक वंशल पुत्र मुरारी निवासी मलीन बस्ती डाला थाना चोपन सोनभद्र को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 03 किग्रा 400 ग्राम गांजा बरामद किया गया तथा उपरोक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना चोपन पर मु0अ0सं0-65,66/2022 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तगण को माननीय न्यायालय भेजा गया। **गिरफ्तार अभियुक्त -** 1- मुरारी वंशल पुत्र स्व0 रामखेलावन निवासी मलीन बस्ती डाला थाना

चोपन सोनभद्र। 2- न्नाहक वंशल पुत्र मुरारी निवासी मलीन बस्ती डाला थाना चोपन सोनभद्र। **बरामदगी का विवरण-** 1- कुल-3 किलो 400 ग्राम गांजा **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम-** 1- उ0नि0 मनोज सिंह ठाकुर चौकी प्रभारी डाला थाना चोपन सोनभद्र। 2- का0 रविकान्त यादव चौकी डाला थाना चोपन सोनभद्र। 3- का0 दीपक कुमार वर्मा चौकी डाला थाना चोपन सोनभद्र।

हाथीनाला पुलिस ने दो वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र) पुलिस उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक

द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत आज रविवार को हाथीनाला पुलिस ने दो वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 13 / 2022 धारा3/ 5/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना हाथीनाला से संबंधित वांछित इश्तियाक (30) पुत्र जाकिर, नूर मोहम्मद पुत्र जाकिर निवासी गढ़ ग्राम पड़रच टोला कुड़वा थाना कोन को मुखबिर की सूचना पर रानी ताली मोड़ पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक संतोष कुमार यादव थाना हाथीनाला व, वरिष्ठ उपनिरीक्षक मनीष द्विवेदी थाना ओबरा मय फोर्स के साथ हे0का0 विनोद कुमार यादव, कांस्टेबल कैलाश सिंह के साथ दोनों वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया।

जरगो जलाशय में डूबने से युवक की मौत

अहरौरा (मीरजापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के सोनवर्षा खुर्द निवासी आइटीआइ की पढ़ाई पूरी कर नौकरी की तालाश में जुटे विकास कनौजिया (21) की शनिवार की रात जरगो जलाशय में डूबने से मौत हो गई मृतक के पिता मोतीलाल ने पुलिस को लिखित सूचना दी कि विकास शनिवार की शाम को जरगो जलाशय पर टहलने गया हुआ था। इसी दौरान वह जलाशय के गहरे पानी में गिरकर डूब गया। मृतक दो भाइयों व एक बहनों में सबसे बड़ा था। मृतक का भाई आकाश शनिवार की शाम उसे ढूंढते हुए जरगो जलाशय के पास पहुंचा, जहां उसका चप्पल व गमछा पड़ा हुआ था। शक के आधार भाई ग्रामीणों के साथ कटिया फेंककर पानी में युवक की तलाश करने लगे। ढाई घंटे तक हुई खोजबीन के बाद पानी में युवक दिखाई दिया। उसे बाहर निकाल कर निजी चिकित्सालय ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जलाशय में डूबने से युवक की मौत की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि जरगो जलाशय में डूबने से युवक की मौत हो गई है मामले की जांच की जा रही है। मृतक युवक के पिता मोतीलाल मजदूरी का कार्य करते हैं। वह शुक्रवार को मुंबई काम के सिलसिले में ट्रेन से निकले

हुए थे। प्रयागराज के पास ट्रेन पहुंची तो मोतीलाल को सूचना मिली कि बड़ा बेटा विकास की पानी में डूबने से मौत हो गई है। मोतीलाल ट्रेन से वही उतरकर वापस बस से घर लौट आए और बेटे के शव को देख आंखों से आंसू निकलते ही रह गए।शनिवार की रात नौ बजे शव को पानी से बाहर निकाल लिया गया था। पुलिस सूचना पर मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने को कहने लगी, लेकिन स्वजन पोस्टमार्टम नहीं करना चाह रहे थे।

फोटो :28-- एसपी ने नवनिर्मित लहंगपुर पुलिस चौकी भवन का किया उद्घाटन

लालगंज (मीरजापुर)। थाना दूरी होने के कारण फरियादियों को होगी सुविधा जागरण संवाददाता, लालगंज (मीरजापुर): पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सिंह ने रविवार को राजापुर गांव स्थित भगवान तालाब के पास नवनिर्मित होने से क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाने में पुलिस को मदद मिलेगी। आने वाले जरूरतमंद लोगों को सुविधा होगी। भौगोलिक स्थिति के आधार पर यह चौकी महत्वपूर्ण स्थान पर है। लालगंज थाना की दूरी होने की वजह से चौबीस घंटे

लहंगपुर पुलिस चौकी भवन का शिलापट्ट का अनावरण एवं फीता काटने के साथ ही हवन पूजन कर उद्घाटन किया। नवनिर्मित भवन में चौकी के साथ पुलिसकर्मियों को रहने के लिए बैरक भी बनाएं गए हैं। इसमें चौकी प्रभारी के लिए अलग कक्ष है। कार्यालय के लिए अलग हाल बनाया गया है। लोकार्पण के समय एसपी ने कहा कि लहंगपुर चौकी अभी तक किराए के मकान में संचालित हो रही थी, अब चौकी को अपना भवन मिल गया है। एएसपी आपरेशन महेश सिंह अत्री ने बताया कि पुलिस चौकी के हाईवे पर स्थित इस चौकी पर पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे। सीओ उमाशंकर सिंह ने बताया कि फोरलेन सड़क बनने के कारण लहंगपुर चौकी का हिस्सा रोड में जाने के कारण वहां जगह न मिलने पर एक किमी की दूरी पर राजापुर गांव में स्थित भगवान तालाब के पास फोरलेन पर चौकी का निर्माण कराया गया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया, चौकी प्रभारी इंद्रभूषण मिश्र, एसएसआई सुनील कुमार, धर्मनारायण भार्गव, अजय कुमार श्रीवास्तव, दयाशंकर ओझा, राकेश कुमार सिंह, उमेश राय आदि रहे।

उच्च न्यायालय के आदेश के अवहेलना पर जिलाधिकारी तलब लोकआयुक्त जांच के घेरे में ओबरा एसडीएम

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय चौकी क्षेत्र के बिल्ली मारकुंडी ग्राम पंचायत के लंगड़ा मोड़ में स्थित सड़क की नापी उच्च न्यायालय के आदेश के अवहेलना पर जिलाधिकारी तलब लोक आयुक्त जांच के घेरे में ओबरा एसडीएम प्राप्त जानकारी के अनुसार ओबरा एसडीएम के द्वारा क्रशर व्यव्साई व प्लांट मालिकों को नोटिस तामिल कराई गई थी की याचिकाकर्ता के साथ एक बैठक की जाना है और ओबरा एसडीएम के ऑफिस 16 दिसम्बर 2021 को सभी क्रशर व्यव्साई व प्लांट मालिकों ने

बैठक में शामिल होकर व्यवसायियों ने बताया कि याचिका कर्ता की जमीन भूमिधरि नहीं है। इनके जमीन की नापी करा कराकर इनकी जमीन अलग कर दिया जाए और उस क्रम में बैठक में यह तय हुआ कि आगामी 20 दिसम्बर 2021 को लिखित पैमाइश की जायेगी और निश्चित समयानुसार एसडीएम ओबरा के टीम के द्वारा नापी कर दिया गया और साथ ही काश्तकार को बिंदु भी बताई गई जिसके उपरांत काश्तकार ने अपनी जमीन पर खुदाई कर मेड़ा बना दिया दिया।कास्तकार के द्वारा बनाए गए मेड़ा को ओबरा उपजिलाधिकारी जैनेन्द्र सिंह पुलिस प्रशासन मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंच कर कास्तकार के द्वारा बनाए गए दाडा मेड़ा को पोपलेन मशीन से हटवा दिया गया था इसके बाद कास्तकार सत्यप्रिय अग्रवाल ने फिर से न्याय के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया इस संबंध में सत्य प्रित अग्रवाल ने बताया कि यह उच्च न्यायालय के आदेश पर हमारी भूमि की नापी करना तय करना था जिसमें की मां. उच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप नापी की गई थी जिसको लेकर उच्च न्यायालय ने सत्य प्रिय अग्रवाल के जमीनी प्रकरण में उच्च न्यायालय के आदेश के अवमानना के विरुद्ध जिलाधिकारी सोनभद्र शिबू, डी.एम. को 27 अप्रैल 2022 उच्च न्यायालय में तलब किया गया और साथ ही ओबरा एसडीएम जैनेन्द्र सिंह का लोक आयुक्त जांच के घेरे में आ गए हैं

तीन घरों में लगी आग, 40 हजार नकद, जेवर व अनाज राख

जिगना (मीरजापुर)। विध्याचल क्षेत्र के धौरहरा गांव के बैदपुर मजरे में रविवार को सिलेंडर फटने से दो रिहायशी छप्पर व कच्चे मकान में आग लग गई। अगलगी की घटना

में 40 हजार नकद,12 क्विटल अनाज, सोने व चांदी के जेवर राख हो गए। साथ ही गृहस्थी का सामान भी नष्ट हो गया। ग्रामीणों व फायर ब्रिगेड की मदद से लगभग तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस अलगली में दो बकरी, एक गाय व एक भैस झुलस गई। गांव निवासी सूर्यबली पाल झोपड़ी लगाकर गुजर बसर करते है। इसके अलावा अन्य कोई आशियाना नहीं था, रविवार को दिन में रसोईघर में गैस सिलेंडर फटने से तेज धमाका हुआ। साथ ही झोपड़ी से आग की लपटें उठने लगी। आनन-फानन में मौजूद दो बच्चे बाहर निकलने में कामयाब रहे। वहीं गृहस्वामी शिवबली पाल व उनकी पत्नी संगीता देवी दादर कला पहाड़ कटाई करने गई थी। आग की लपटें इतनी तेज थी कि देखते ही देखते झोपड़ी राख में तब्दील हो गई। लगभग एक घंटे बाद पीड़ित दंपती घर पहुंचा तब तक झोपड़ी राख हो चुकी थी। बताया की अगलगी की घटना में घर गृहस्थी का सामान, अनाज, कपड़ा बर्तन के अलावा बाक्स में रखा चालीस हजार रुपये नकद समेत जेवरात खाक हो गया। बगल मड़हे में खूंटे से बंधी बकरियां गाय व भैंस भी झुलस गई। वही आसपास के लोगों ने बताया कि शिवबली के पुत्र चंदन 14 व चंदिका 12 घर पर अकेले थे जो खाने के लिए कुछ बना रहे थे। इसी दौरान सिलेंडर से गैस लीकेज हो रही थी और ब्लास्ट कर गया। हालांकि दोनों बच्चे उस समय छप्पर के बाहर थे, अन्यथा बड़ा हादसा हो जाता। ग्रामीणों ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को घटना से अवगत करा दिया है। वहीं बगल में लगे रामबली पुत्र स्व. रामनिहोर पाल का भी छप्पर जल गया। इसमें हजारों का सामान राख हो गया। हरिशंकर कुशवाहा के खपरैल का कुछ हिस्सा में भी आग की जद में आ गया था और बिस्तर व अनाज आदि जल गया। मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी श्रीराम सिंह मामले की जांच कर लौट गए।

खदान सुरक्षा मानकों का हर स्तर पर हो अनुपालन

अनपरा (सोनभद्र)। रविवार को एनसीएल ने आईकानिक सप्ताह के तहत खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जहां खदान सुरक्षा मानकों का अनुपालन हर स्तर पर सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। खुली खदानों में सवोत्तम सुरक्षित प्रथाओं पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में परिक्षेत्र की रिलायंस, हिडाल्को, जेपी माइंस, आउटसोर्सिंग कंपनी, एचईएमएम निर्माता व आपूर्तिकर्ता समेत 30 उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सेमिनार के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि महानिदेशक (खान सुरक्षा) एसडी चिद्दरवार ने कहा कि यह संगोष्ठी खदान सुरक्षा मानकों तथा सर्वश्रेष्ठ सुरक्षित प्रथाओं को साझा करने का बेहतरीन मंच है, जिससे खदान सुरक्षा को नई ऊंचाई मिलेगी। कोयला उद्योग ने गत 75 साल में पारंपरिक खन्न से मशीनीकृत खन्न का रास्ता तय किया है। उन्होंने खन्न को एक चुनौतीपूर्ण और गतिशील क्षेत्र बताते हुए सुरक्षित और दीर्घकालिक खन्न के लिए निरंतर नवाचार, डिजिटाईजेशन और सर्वश्रेष्ठ तकनीकी को बढ़ावा देने की सलाह दी। सेमिनार की अध्यक्षता कर रहे एनसीएल के सीएमडी भोला सिंह ने सुरक्षा के प्रति एनसीएल की प्रतिबद्धता दोहराई। खदानों में सुरक्षित संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के सौ फीसदी के क्रियान्वयन पर जोर दिया। सेमिनार के उद्घाटन के दौरान शोध पत्रों की एक स्मारिका का विमोचन किया गया।

15 साल बाद घर पहुंचा मुलायम माता-पिता के छलके आंसू

सोनभद्र। पंजाब पुलिस के एएसआई सुखविदर सिंह बदेसा ने 15 वर्षों से परिवार से बिछड़े मुलायम को उनके स्वजन से मिलाकर मानवता की मिसाल पेश की। रविवार को अपने बिछड़े बेटे को देख माता-पिता के आंसू खुशी से छलक उठे। वहीं गांव के लोगों की आंखे खुशी से नम हो गई। राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत बहुआर के चरघरवा टोला निवासी अमर सिंह गौड़ का बड़ा बेटा मुलायम सिंह गौड़ पंद्रह साल पहले मानसिक संतुलन खोने की वजह से घर से निकल गया। इसके बाद स्वजन ने काफी तलाश की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। वह कैसे पंजाब पहुंच गया, किसी को पता नहीं। रविवार को पंजाब से अपने साथ मुलायम को सोनभद्र लेकर पहुंचे एएसआई सुखविदर सिंह बदेसा ने बताया कि 10 फरवरी को मुलायम ठेकेदार के माध्यम से उनके अमृतसर घर पर काम करने आया था। इस दौरान वह काफी दुखी दिख रहा था।

मुलायम से उसकी तकलीफ जानने की कोशिश की तो उसकी बात सुनकर वह भौचक रह गया। मुलायम ने बताया कि उसके पिता का नाम अमर सिंह है, वह झारखंड, सोनभद्र तो बता रहा था लेकिन अपने गांव का नाम भूल चुका था। अमर सिंह को उसके टोला चरघरवा का नाम याद था। खविदर ने बताया कि सोशल मीडिया के सहारे उन्होंने सोनभद्र में चरघरवा की तलाश की। पूर्वांचल नव निर्माण मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरीश पाण्डेय का नंबर निकालकर उनसे बात की और पूरा वाकया बताया। गिरीश व पत्रकार विनय सिंह चंदेल मुलायम के घर की तलाश शुरु की। गिरीश ने बताया कि मुलायम से फोन पर बाकर लोकेशन पूछा। लोकेशन के आधार पर जब अमौली के प्रधान सुरेश शुक्ला और बसौली के प्रधान अवधेश गुप्ता से जानकारी ली तो पता चला कि बहुआर ग्राम पंचायत में चरघरवा टोला है। अमौली प्रधान सुरेश ने मौके पर जाकर मुलायम के गायब होने की पुष्टि की। इसके बाद सोशल मीडिया के सहारे मुलायम के परिजनों की पहचान कराई गई। रविवार दोपहर जब मुलायम सिंह अपने गांव घर पहुंचा तो भावुक माता-पिता की आंख छलक पड़ीं।

ट्रैक्टर से कुचलकर मजदूर की मौत, स्वजन ने सड़क किया जाम

गैपुरा (मीरजापुर)। विध्याचल थाना क्षेत्र के विजयपुर स्टेट बैंक के पास ईट लदे ट्रैक्टर ने रविवार की शाम राजेश कुमार मोदनवाल (36) को कुचल दिया। पहिए के नीचे आने से उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर लगते ही स्वजन आक्रोशित हो गए और ग्रामीणों संग गैपुरा लालगंज मार्ग को जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे विध्याचल निरीक्षक नीरज पाठक शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाने लगे तो स्वजन शव देने से इनकार कर दिए। आक्रोशित ग्रामीण पीड़ित पक्ष को मुआवजा देने के लिए उच्चाधिकारियों को बुलाने की मांग कर रहे थे। विजयपुर गांव निवासी राजेश कुमार मोदनवाल मजदूरी करते थे। रविवार की शाम वह पैदल ही विजयपुर बाजार सब्जी लेने जा रहे थे। बाजार के पास पीछे गैपुरा से विजयपुर की तरफ ईट लादकर जा रहे ट्रैक्टर ने राजेश को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर लगते ही स्वजन के साथ ग्रामीण आक्रोशित हो गए और सड़क जाम कर दिया। ग्रामीण पीड़ित पक्ष को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। राजेश दो भाइयों में सबसे बड़े थे। मृतक की पतनी बीनू और पुत्र विशेष एक वर्ष तथा पुत्री कनक तीन वर्ष की है। स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है। देर रात तक ग्रामीण सड़क जाम किए हुए थे। पुलिस भी उच्चाधिकारियों के आने का इंतजार कर रही थी।

आइकानिक सप्ताह में महिलाओं का टैलेंट शो रहा रोचक......

अनपरा (सोनभद्र)। एनसीएल मुख्यालय स्थित आडिटोरियम में आइकानिक सप्ताह का आयोजन

किया गया जहां महिलाओं की प्रतिभा बखूबी निखरी। इस दौरान गृहिणियों के लिए टैलेंट शो का आयोजन किया गया। प्रोजेक्ट उमंग के तहत आयोजित टैलेंट शो में देश की विविधता को समेटे विविध शैलियों में नृत्य, गायन, कविता पाठ, रैंप वाक आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि सीएमडी एनसीएल भोला सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम नवीनता, आत्मविश्वास, समरसता और गृहिणियों की बहुमुखी प्रतिभा का अनुपम उदाहरण है। एनसीएल राष्ट्र की ऊर्जा आकांक्षाओं के अनुरूप कोयला उत्पादन व प्रेषण करने के साथ ही कर्मियों व उनके स्वजन के स्वास्थ्य व खुशहाली के लिए लगातार कार्य कर रही है। कंपनी की प्रगति में गृहणियों के योगदान की चर्चा की। समापन समारोह में एनसीएल के निदेशक राम नारायण दुबे, एसएस सिन्हा, जेसीसी के सदस्य, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, कृति महिला मंडल अध्यक्ष बिदु सिंह, उपाध्यक्ष लक्ष्मी दुबे आदि उपस्थित रहीं। इस दौरान ग्रुप डांस में मुख्यालय की देवेंदर कौर एवं ग्रुप कामेडी में दुधीचुआ से ममता एवं संजू श्रीवास्तव, रैंप वाक में दुधीचुआ की नेहा, गायन में अमलोरी की बबिता शुक्ला, वादन में डा. काव्या जैन, कविता पाठ में अनामिका श्रीवास्तव तथा एकल नृत्य में निगाही की स्वाती प्रथम स्थान पर रहीं। गौरतलब है कि एनसीएल मुख्यालय महिलाओं को लगातार प्रोत्साहित कर रहा है। इसी क्रम में आडिटोरियम में आइकानिक सप्ताह का आयोजन किया गया जहां महिलाओं की प्रतिभा बखूबी निखरी। इस दौरान गृहिणियों के लिए टैलेंट शो का आयोजन किया गया। प्रोजेक्ट उमंग के तहत आयोजित टैलेंट शो में देश की विविधता को समेटे विविध शैलियों में नृत्य, गायन, कविता पाठ, रैंप वाक आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

जर्मनी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचे पीवी सिंधू और के श्रीकांत

मूलहेम। दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत ने जर्मनी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत से शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई।सातवीं वरीय सिंधू ने थाइलैंड की दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी बुसानन ओंगबामरुंगफान को 21-8, 21-13-21, 21-7 से जीत दर्ज की। सिंधू की यह थाइलैंड की खिलाड़ी के खिलाफ 15वीं जीत है, जबकि श्रीकांत ने लीवरडेज के खिलाफ अपना रिकार्ड 4-0 कर दिया। सिंधू का अगला मुकाबला स्पेन की बीट्रिज कोरालेस या चीन के च्यांग यी मान से होगा।श्रीकांत कोरोना संक्रमण के कारण जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट नहीं खेल सके थे। अब उनका सामना चीन के लू गुआंग जू से होगा। श्रीकांत का उनके खिलाफ रिकार्ड 2-0 का है। इस बीच, साई प्रतीक के और एन सिक्की रेड्डी की भारतीय मिकस्ड डबल्स जोड़ी को हालांकि थाइलैंड के डेचापोल पुवारानुक्रोह और सप्सिरी तेरत्तनाचाई की शीर्ष वरीय जोड़ी से पहले दौर में ही 19-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा।इससे पहले, महिला सिंगल्स में बुसानन के खिलाफ सिंधू शुरू से हावी हो गई और उन्होंने केवल 32 मिनट में जीत दर्ज की। सिंधू ने पहले गेम में जल्द ही 11-4 से बढ़त बनाई, जबकि दूसरे गेम में 7-5 से आगे होने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वहीं, श्रीकांत ने अच्छी शुरुआत करते हुए जल्दी ही 19-8 की बढत बना ली और पहला गेम आसानी से जीता। दूसरे गेम में फ्रांस के खिलाड़ी ने वापसी की लेकिन निर्णायक गेम में श्रीकांत ने दोबारा लय हासिल करके जीत अपने नाम की।

डेविस कपः ग्रास कोर्ट पर जलवा बिखेरने उतरेगा भारत, विश्व ग्रुप 1 मुकाबले में डेनमार्क से होगा सामना

नई दिल्ली। भारतीय डेविस कप टीम का ऐतिहासिक जिमखाना क्लब में शुक्रवार से शुरू होने वाले विश्व ग्रुप-1 प्लेआफ मुकाबले में डेनमार्क से सामना होगा। यह मुकाबले ग्रास कोर्ट में खेले जाने हैं जो भारत के अनुकूल माना जाता है। निचली उछाल और तेज ग्रास कोर्ट के कारण भारत का पलड़ा विपक्षी टीम के सामने भारी रहेगा और टीम अपना जलवा बिखेरने उतरेगी। भारत विश्व ग्रुप-1 के पहले दौर में फिनलैंड से हारने के बाद प्लेआफ में पहुंचा, जबकि डेनमार्क मोरक्को को विश्व ग्रुप-2 मुकाबले में हराकर यहां पहुंचा है। भारत और डेनमार्क 1984 के बाद पहली बार खेलेंगे। उस समय भारत ने डेनमार्क को 3-2 से हराया था। इससे पहले भारत ने तीन बार 1966, 1974 और 1987 के डेविस कप फाइनल में जगह बनाई है, लेकिन कभी इसे जीत नहीं सका है। भारत के लिए पहला सिंगल्स मुकाबला रामकुमार रामनाथन खेलेंगे, जिनका सामना दुनिया के 824वें नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टियन सिग्सगार्ड से होगा। वहीं, भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी युकी भांबरी ने टीम में वापसी की है। युकी का सामना 305वीं रैंकिंग वाले मिकाले टोर्पेगार्ड से होगा। रैंकिंग के आधार पर भारतीय टीम मजबूत है, लेकिन डेविस कप में खिलाड़ी अप्रत्याशित प्रदर्शन कर सकते हैं, लिहाजा सब कुछ मैच के दिन पर निर्भर करेगा।

प्रजनेश गुणेश्वरन की जगह युकी को सिंगल्स में उतारने का फैसला किया गया क्योंकि यह उनके अनुकूल कोर्ट है। रोहन बोपन्न और रामकुमार साथ खेलते हैं, लेकिन भारतीय कप्तान रोहित राजपाल ने डबल्स में बोपन्न के साथ दिविज शरण को चुना है। रामकुमार ने कहा कि देश के लिए खेलने से दबाव होता है, लेकिन वह टीम को सकारात्मक शुरुआत दिलाने के लिए उत्सुक हैं। दिल्ली जिमखाना क्लब भारत के पुराने क्लबों में से एक है। यह क्लब विंबलडन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ग्रास कोर्ट परिसर है। विंबलडन में 41 ग्रास कोर्ट हैं, जबकि दिल्ली जिमखाना में 28 ग्रास कोर्ट है। दिल्ली जिमखाना क्लब को मार्डन गेम को देखते हुए विकसित किया गया और इसमे क्ले और हार्ड कोर्ट भी है।

दिल्ली कैपिटल्स ने की अपनी नई जर्सी लांच, होम ग्राउंड में एक कार्यक्रम के दौरान शामिल हुए कुछ चुनिंदा फैंस

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के 15वें सीजन से पहले अपनी नई जर्सी लांच कर दी है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में एक कार्यक्रम के दौरान टीम ने ये जर्सी लांच की है। ये टीम का होम ग्राउंड भी है। इस कार्यक्रम में कुछ चुनिंदा फैंस को ही शामिल होने का मौका मिला था। जर्सी लाल और ब्लू का मिक्सर है। जहां लाल टीम के ऑन-फील्ड साहस का प्रतीक है, वहीं ब्लू संतुलन और संयम का प्रतीक है। लोगो में बाघ की फोटो बड़ी और बोल्ड है जैसे कि दिल्ली एक बार फिर से दहाड़ने के लिए तैयार है। दिल्ली कैपिटल्स के ट्विटर हैंडल पर नई जर्सी के बारे में अपडेट शेयर किया है जिसमें लिखा है नई दिल्ली की नई जर्सी। आपको बता दें कि दिल्ली इस बार मुंबई, कोलकाता, राजस्थान और नई टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ ग्रुप ए में है। टीम अपना पहला मैच 27 मार्च को मुंबई के साथ खेलेगी डेविड वार्नर, पृथ्वी शा, रिषभ पंत, मिचेल मार्श, शार्दुल ठाकुर, मुस्तफिजूर रहमान, कुलदीप यादव, अश्विन हेब्बार, सरफराज खान, कमलेश नागरकोटी, केएस भारत, मनदीप सिंह, खलील अहमद, चेतन सकारिया, ललित यादव, रिपल पटेल, यश ढुल, रोवमैन पावेल, प्रवीन दुबे, लुंगी एन्गिडी, टिम सेफर्ट और विक्की ओस्तवाल।

दो बल्लेबाजों की तूफानी पारी, भारत ने विश्व कप में पहली बार बनाया इतना बड़ा स्कोर

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड में खेले जा रहे आइसीसी महिला विश्व कप में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ धमाकेदार खेल दिखाया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने करो या मरो के मुकाबले में 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 317 रन का स्कोर खड़ा किया। ओपनर स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने धमाकेदार शतकीय पारी खेली। भारत ने विश्व कप में पहली बार 300 रन का स्कोर पारी किया और टूर्नामेंट मं 9वां सबसे बड़ा स्कोर है शनिवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ महिला विश्व कप मुकाबले में भारत का रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन देखने को मिला। भारतीय कप्तान मिताली राज ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी यस्तिका भाटिया और मंधाना ने ताबड़तोड़ शुरुआत करते हुए बड़े स्कोर की नींव रखी। 21 गेंद पर 31 रन की पारी बनाकर यस्तिका आउट हुई। इसके बाद कप्तान मिताली राज और दीप्ति शर्मा के रूप में टीम को दो और झटके लगे। यहां से हरमन ने मंधाना के साथ पारी को संभाला और रिकार्ड साझेदारी कर भारत का सबसे बड़ा विश्व कप स्कोर बना डाला। मंधाना 123 रन जबकि हरमन 109 रन बनाकर आउट हुई। महिला विश्व कप में पहली बार भारतीय टीम ने 300 रन का आंकड़ा पार किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का मुकाबला करो या मरो का माना जा रहा था। इस अहम मुकाबले में अनुभवी बल्लेबाज स्मृति और उप कप्तान हरमन ने धुंआधार पारी खेली। भारत ने 8 विकेट पर 317 रन का स्कोर खड़ा किया। विश्व कप में सबसे बड़ा 3 विकेट पर 412 रन का स्कोर आस्ट्रेलिया के नाम है जो उसने डेनमार्क के खिलाफ बनाया था। साल 2017 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 7 विकेट पर 377 रन बनाए थे जो टूर्नामेंट में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। तीसरे नंबर पर भी इंग्लैंड की टीम ही है जिसने पाकिस्तान के खिलाफ ही 1997 में 376 रन का स्कोर खड़ा किया था। चौथे नंबर पर न्यूजीलैंड है जिसने पाकिस्तान के खिलाफ ही 2009 में 373 रन बनाए थे। पांचवें नंबर पर इंग्लैंड 373 रन के साथ संयुक्त रूप से है ।

वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में मिताली राज ने रचा इतिहास, बनीं ऐसा करने वाली पहली महिला कप्तान

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड में आइसीसी महिला वर्ल्ड कप खेला जा रहा है जहां शनिवार को भारतीय टीम अपना तीसरा मुकाबला खेलने उतरी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे वर्ल्ड कप के 10वें मैच में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने एक और रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। मैच में उतरते साथ ही वो वर्ल्ड कप में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। बतौर कप्तान ये उनका 24वां मैच है और उन्होंने आस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान बेलिंडा क्लार्क को पीछे छोड़ दिया है। क्लार्क के नाम 23 मैचों में कप्तानी करने का रिकार्ड था। इस सूची में तीसरे पायदान पर इंग्लैंड की सुसान गोटमेन हैं जिनके नाम 19 वर्ल्ड कप मैचों में कप्तानी करने का है। भारतीय कप्तान के तौर पर वे अब मोहम्मद अजहरुद्दीन से आगे निकल गई हैं। अजहर ने भारत के लिए 23 जबकि महेंद्र सिंह धौनी ने 17 मैचों में कप्तानी की है। वर्ल्ड कप में बतौर बल्लेबाज मिताली राज से टीम को रनों की जरुरत है। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में भी जब वे तीन नंबर पर बल्लेबाजी करने आई थी तो उनसे बड़े स्कोर की उम्मीद थी लेकिन वे महज 5 रन बनाकर आउट हो गईं। पहले दो मुकाबलों की बात करें तो उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में 9 रन जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में 31 रन की पारी खेली थी। ये उनके करियर का छठा वर्ल्ड कप है।

विराट की गुलाबी उम्मीदें, कमजोर श्रीलंक के खिलाफ उतरेगी हिटमैन की सेना

बेंगलुरु। भारत की मेजबानी में शनिवार से शुरू होने वाले तीसरे डे-नाइट टेस्ट में दो ही चीजों पर सबकी नजरें हैं। पहले बात करते हैं श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मुकाबले की पिच पर। 2019 में कोलकाता के ईडन गार्डेस में जब भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ पहला डे-नाइट टेस्ट खेलने उतरी थी तो सब यही कह रहे थे कि गुलाबी गेंद को ज्यादा देर तक चमकदार रखने के लिए पिच पर हल्की हरी घास छोड़नी होगी। ऐसा किया भी गया और मैच तीसरे दिन के पहले घंटे में खत्म हो गया। तेज गेंदबाज इशांत शर्मा मैन आफ द मैच बने थे।इसके बाद भारत ने 2021 की शुरुआत में अहमदाबाद में डे-नाइट टेस्ट में इंग्लैंड की मेजबानी की। गेंद गुलाबी ही थी, लेकिन पिच हरी से मटमैली हो गई, जैसी हम हमेशा बनाते हैं। यह मैच दो दिन भी नहीं चला और दूसरे दिन के आखिरी सत्र में भारत ने 10 विकेट से मैच जीत लिया। 11 विकेट लेने वाले अक्षर इसमें मैन आफ द मैच थे। अब टीम प्रबंधन ने सोचा कि जब बिना हरी घास के दूधिया रोशनी के मैच में भी हम जीत रहे हैं तो उससे बढ़िया क्या। इसी को देखते हुए बेंगलुरु के चिननस्वामी स्टेडियम में भी तमाम तकरें को किनारे रखते हुए सुर्ख मटमैली पिच तैयार की गई। इस पर हरी घास का नाम-ओ-निशान नहीं है। पिच जल्दी टूटे नहीं, इसलिए सूखी घास जरूर उसमें नजर आ रही है। शुक्रवार की शाम को मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ और दोनों मैदानी अंपायर, पिच क्यूरेटर व मैदानकर्मियों के साथ घंटे भर पिच को देखते रहे।विराट के शतक पर नजर : अब बात करते हैं दूसरी बात पर और वह है विराट कोहली का बहुप्रतीक्षित शतक। विराट ने अपना पिछला अंतर्राष्ट्रीय शतक बांग्लादेश के खिलाफ दो साल पहले डे-नाइट टेस्ट में ही लगाया था। वह 16 टेस्ट की 28 पारियों से ऐसा नहीं कर पाए हैं। तीनों प्रारूपों की बात की जाए तो वह 62 मैचों की 71 पारियों में शतक से महरूम रहे हैं। पिछले 28 महीने से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतक नहीं जमा सके कोहली जब अपने दूसरे घर में उतरेंगे तो नजरें उनके बल्ले पर होंगी। कोहली ने आखिरी बार बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में 136 रन बनाए थे। उसके बाद से उन्होंने छह बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया और सर्वोच्च स्कोर इस साल जनवरी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 79 रन था। अब वह एम चिन्नस्वामी स्टेडियम पर लौट रहे हैं जो उनकी आइपीएल फ्रेंचाइजी रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु का घरेलू मैदान है। मोहाली टेस्ट में भी उन्होंने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन उसे बड़ी पारी में नहीं बदल सके। वह धाराप्रवाह अंदाज में नहीं खेल पा रहे हैं। उनकी एकाग्रता भी भंग हो रही है और वह एक ही गलती बार-बार दोहरा रहे हैं।सिराज या अक्षर : मोहाली में खेली टीम इंडिया में एक बदलाव की उम्मीद है। स्पिनर जयंत यादव की जगह तेज गेंदबाज मुहम्मद सिराज या फिट होकर लौटे हरफनमौला अक्षर पटेल को जगह मिल सकती है। अक्षर भारत में हुए पिछले डे-नाइट टेस्ट के मैन आफ द मैच थे।श्रीलंका बेहद कमजोर : श्रीलंकाई टीम बेहद कमजोर दिखाई दे रही है। टीम को तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा की कमी खलेगी। वह हैमस्ट्रिंग के कारण बाहर हैं।

पिंक बाल टेस्ट मैच के लिए भारत की संभावित अक्षर पटेल व मो. सिराज में टक्कर

नई दिल्ली। भारत को बेंगलुरु में श्रीलंका के विरुद्ध डे-नाइट टेस्ट मैच शनिवार से खेलना है। इससे पहले टीम इंडिया ने तीन डे-नाइट टेस्ट मैच खेले थे जिसमें दो में उसे जीत जबकि एक में हार मिली थी। भारत ने अपना पहला डे-नाइट टेस्ट मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेला था तो वहीं दूसरा मैच आस्ट्रेलिया के खिलाफ जबकि तीसरा डे-नाइट टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। श्रीलंका के खिलाफ भारत का ये पहला डे-नाइट टेस्ट मैच होगा और जाहिर है भारतीय टीम इसमें जीत के साथ टेस्ट सीरीज में मेहमान टीम का क्लीन स्विप करना चाहेगी। पिंक बाल टेस्ट मैच में जीत के लिए भारतीय टीम के लिए प्लेइंग इलेवन का चयन अहम होगा। भारतीय ओपनिंग बल्लेबाजी की बात करें तो रोहित शर्मा पारी की शुरुआत मयंक अग्रवाल के साथ कर सकते हैं। हालांकि शुभमन गिल ओपनर के तौर पर अन्य विकल्प हैं, लेकिन मयंक के खेलने की संभावना ज्यादा नजर आती है। तीसरे नंबर पर पिछले मैच में अच्छी पारी खेलने वाले हनुमा विहारी एक बार फिर से इसी नंबर पर नजर आ सकते हैं तो किंग कोहली चौथे नंबर पर होंगे। श्रेयस अय्यर नंबर पांच पर नजर आएंगे तो वहीं मोहाली टेस्ट मैच में 96 रन की पारी खेलने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज रिषभ पंत का जलवा छठे नंबर पर देखने को मिलेगा। रवींद्र जडेजा को थोड़ी फिटनेस संबंधी परेशानी है, लेकिन ऐसे कोई संकेत नहीं मिले हैं कि वो डे-नाइट टेस्ट में नहीं खेलेंगे ऐसे में पिछले मैच में नाबाद 175 रन की पारी खेलने वाले जडेजा सातवें क्रम पर बल्लेबाजी का जलवा दिखाते नजर आएंगे। आठवें नंबर पर आर अश्विन होंगे तो वहीं जडेजा व अश्विन के हाथों में स्पिन की भी जिम्मेदारी होगी। पिछले मैच में भारतीय टीम मोहाली में तीन स्पिनर के साथ मैदान पर उतरी थी और तीसरे स्पिनर जयंत यादव थे। अब टीम में अक्षर पटेल की वापसी हो चुकी है और वो अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं तो उम्मीद है कि वो जयंत को रिप्लेस कर सकते हैं। हालांकि तेज गेंदबाज मो. सिराज को पिंक बाल टेस्ट मैच के लिए अहम माना जा रहा है ऐसे में ये देखना होगा कि अक्षर पटेल और मो. सिराज में से कौन प्लेइंग इलेवन में जगह बना पाता है। वहीं टीम में अन्य दो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मो. शमी होंगे। रोहित शर्मा (कप्तान), मयंक अग्रवाल, हनुमा विहारी, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रिषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज/अक्षर पटेल।

राशिफल

मेष-: आज आप कुछ तनाव में रह सकते हैं। आज से आपको बुरी आदतों को छोड़ देना चाहिए। जीवन साथी के साथ मधुरता बनी रहेगी।

वृष-: आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। विद्यार्थी पढ़ाई में रूचि लेंगे। अगर आप किसी सरकारी काम से जा रहे हैं तो अपने साथ जरूरी दस्तावेज ले जाना न भूलें।

मिथुन-: आपका कठोर व्यवहार आपके जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में तनाव ला सकता है. ऐसा कोई भी काम करने से पहले उसके अंजाम के बारे में सोच लें।

कर्क-: अगर आप अविवाहित हैं तो आज आपको कई प्रस्ताव मिल सकते हैं. वह व्यक्ति आज आपको कोई प्रस्ताव भी भेज सकता है, जिससे आप आकर्षित है

सिंह-: आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा. आज आप हर चुनौती का डटकर सामना करेंगे। विद्यार्थियों को आज थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ेगी

कन्या-: आपकी शाम कई तरह की भावनाओं से घिरी रहेगी और इसलिए तनाव भी दे सकती है. लेकिन ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आपकी खुशी आपको आपकी निराशाओं से ज्यादा खुशी देगी।

तुला-: आज धार्मिक आस्था में वृद्धि होगी. संतों का साथ मिल सकता है। राजनीति से जुड़े लोगों को पद मिल सकता है। पारिवारिक माहौल वैसा ही रहेगा।

वृश्चिक-: आज आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कोई भी काम शुरू करने से पहले बड़ों की सलाह जरूर लें। आज किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें, क्रोध पर नियंत्रण रखें।

धनु-: किसी भी कीमत पर आपा न खोएं अन्यथा परिवार में अनबन हो सकती है. यदि आप प्रयास करेंगे तो आप शांति और सद्भाव बनाए रखने में सक्षम होंगे।

मकर-: बुरी आदतों को छोड़ने के लिए आज का दिन उत्तम है. राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी होगी। आय और व्यय के बीच संतुलन बनाए रखें।

कुंभ-: आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। दोस्तों के साथ मस्ती में दिन बीतेगा। दोस्तों के साथ पार्टी में जाएंगे, पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी।

मीन-: अधिक भोजन और शराब के सेवन से बचें। बैंक से जुड़े लेन-देन में बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है। आपका जीवन साथी आपकी मदद करेगा और मददगार साबित होगा।

सम्पादकीय

भारत से हजारों किलोमीटर दूर लड़े जा रहे रूस-यूक्रेन युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था क्या होगा अस

रूस-यूक्रेन की लड़ाई का गहरा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। यह ऐसे समय हो रहा है, जब कोविड महामारी के कारण विश्व की अर्थव्यवस्थाएं कीमतों को स्थिर करने और आपूर्ति श्रृंखला को फिर से स्थापित करने का प्रयास कर रही थीं, लेकिन यूक्रेन युद्ध ने उनके संभावित समाधानों को और अधिक कठिन बना दिया है। अन्य देशों के साथ भारत के लिए भी अमेरिका-यूरोप और रूस के बीच आर्थिक संतुलन को बनाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। यह युद्ध भले ही भारत से हजारों किमी दूर लड़ा जा रहा हो, परंतु उसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। यूक्रेन पर हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा आर्थिक प्रतिबंधों के साथ-साथ रूस के बैंकों पर स्विफ्ट पेमेंट सिस्टम का उपयोग करने पर रोक लगा दी गई है। यह भी भारत समेत अन्य देशों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।रूस विश्व का लगभग 13 प्रतिशत पेट्रोलियम और 17 प्रतिशत प्राकृतिक गैस का उत्पादन करता है। प्रतिबंधों के कारण आपूर्ति बाधित होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ती ही जा रही हैं। भारत अपनी आवश्यकता का 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। कच्चे तेल की कीमतों के बढ? से भारत को अब अधिक डालर का भुगतान करना पड़ेगा, जिससे डालर अधिक मजबूत और रुपया कमजोर होगा। रुपये के कमजोर होने से भारत के आयात महंगे हो जाएंगे, जिससे महंगाई बढ़ेगी। इस प्रकार की महंगाई को आयातित महंगाई कहते हैं। भारत के चालू खाते का घाटा बढ़ जाएगा, जो भुगतान संतुलन को भी गड़बड़ा देगा। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में वृद्धि से और सब्सिडी के कम होने से राजकोषीय घाटा बढ़ जाएगा। कच्चे तेल और गैस के अलावा कुछ अन्य वस्तुएं भी महंगी हो जाएंगी। विमानन टरबाइन ईंधन की लागत 19 प्रतिशत बढ़े से विमान किराये में भी लगभग 30 से 35 प्रतिशत तक की वृद्धि होने के आसार हैं।भारत खाद्य तेलों की 70 प्रतिशत से अधिक मांग आयात से पूरी करता है। हमारी जरूरत का 70 प्रतिशत से अधिक सूरजमुखी का खाद्य तेल यूक्रेन से आता है। खाद्य तेलों की आपूर्ति बाधित होने से इसका सीधा प्रभाव कीमत वृद्धि के रूप में दिखाई दे रहा है। इसी तरह सेमीकंडक्टर बनाने के लिए आवश्यक पैलेरियम का प्रमुख उत्पादक देश रूस और लियान का प्रमुख उत्पादक यूक्रेन है। पैलेरियम और लियान की आपूर्ति बाधित होने से सेमीकंडक्टर या चिप भी महंगी हो जाएगी। परिणामस्वरूप स्मार्टफोन, लैपटाप, वाशिंग मशीन, माइक्रोवेव, फ्रिज, टीवी, कार, डिजिटल कैमरा आदि महंगे हो जाएंगे, जो सेमीकंडक्टर तकनीक पर निर्भर हैं। उल्लेखनीय है कि वाहनों की दृष्टि से भारत विश्व का पांचवां बड़ा बाजार है। आशंका है कि जीडीपी में 7.1 प्रतिशत योगदान करने वाला हमारा आटोमोबाइल सेक्टर प्रभावित होगा।यूक्रेन युद्ध के बाद एचडीएफसी बैंक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 8.2 प्रतिशत से घटाकर 7.5 से 7.8 प्रतिशत तक रहने का अनुमान व्यक्त किया है। बदलती परिस्थितियों में महंगाई को रोकने के लिए आरबीआइ को अपनी मौद्रिक नीति के प्रविधानों को इस प्रकार बदलना होगा कि ब्याज दरों में होने वाले परिवर्तन से आम आदमी की जेब पर कम से कम असर पड़े। रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों के बीच भारत मास्को और वाशिंगटन के बीच संतुलन स्थापित कर युद्ध के प्रतिकूल आर्थिक प्रभावों को थोड़ा कम कर सकता है। भारत और रूस के बीच होने वाला व्यापार आठ अरब डालर का है, जबकि अमेरिका के साथ हमारा व्यापार लगभग 100 अरब डालर है। मौजूदा हालात में कोई भी भारतीय निवेशक रूस के साथ सीधे व्यापार करने से बचेगा। 2018 में ट्रंप के समय में ईरान पर प्रतिबंध लगने के बाद भारत और ईरान में व्यापार डालर के बजाय रियाल और रुपये में हुआ था।ं व्यापार की संभावनाओं को बल देना होगा। इसी के साथ हमारी सरकार को लोगों को विश्वास दिलाना चाहिए कि यह एक अल्पकालिक स्थिति है और निवेशकों को बाजार पर भरोसा रखना चाहिए। यूक्रेन और रूस वैश्विक स्तर पर गेहूं का 30 प्रतिशत, मक्का का 19 प्रतिशत और सूरजमुखी के तेल का 80 प्रतिशत निर्यात करते हैं।

भरोसे की जीत, विधानसभा चुनाव 2022 के परिणाम ने तय कर दिए 2024 के नतीजे

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे इन राज्यों के साथ राष्ट्रीय राजनीति को भी एक नई दिशा देते दिख रहे हैं। इन नतीजों के साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव के परिणामों की झलक भी दिखने लगी है। इन नतीजों से निकले संकेतों को अन्य दलों के साथ कांग्रेस खास तौर पर सही तरह से ग्रहण करे तो यह उसके हित में होगा, क्योंकि सबसे बुरी पराजय का सामना उसे

ही करना पड़ा है। वह पहले से और अधिक कमजोर एवं दिशाहीन दिखने लगी है। कांग्रेस पंजाब तो गंवा ही बैठी, जहां आम आदमी पार्टी ने प्रभावशाली जीत दर्ज की, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भी नाकाम रही। उत्तर प्रदेश में तो उसके लिए कोई उम्मीद ही नहीं थी। यहां जो उम्मीद थी, वह समाजवादी पार्टी को थी, लेकिन वह पिछली बार के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन करने के बाद भी पीछे रह गई। इसके लिए वह अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकती। कांग्रेस, बसपा के साथ सपा को उत्तर प्रदेश में चौथी बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। उसका एक और प्रयोग नाकाम रहा। इस बार उसके लिए मौका था, लेकिन वह जिस सत्ता विरोधी रुझान के भरोसे थी, वह इसलिए काम नहीं आया, क्योंकि योगी सरकार ने सुशासन के मामले में एक प्रतिमान स्थापित किया और वह भी कोरोना संकट के चलते अच्छा-खासा समय बर्बाद हो जाने के बाद भी। इसी सुशासन के कारण भाजपा को शानदार जीत हासिल हुई। इस जीत ने एक नए राजनीतिक इतिहास की रचना की, क्योंकि दशकों बाद कोई सरकार अपनी सत्ता बचाने में सफल रही। विधानसभा चुनाव वाले पांच राज्यों में यदि सबसे अधिक निगाहें उत्तर प्रदेश पर लगी थीं तो इसीलिए कि यह न केवल सबसे अधिक आबादी वाला प्रांत है, बल्कि केंद्र की सत्ता का रास्ता भी यहीं से गुजरता है। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल कर यह साबित कर दिया कि विपक्ष के पास मोदी-योगी के उस करिश्मे का कोई जवाब नहीं, जो उन्होंने केंद्र और राज्य की कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं को जमीन पर उतार कर किया। इस जीत का एक कारण समस्याओं और असंतुष्टि के बाद भी लोगों को यह भरोसा रहा कि जो समस्याएं शेष हैं, उनका समाधान भी योगी और मोदी ही करेंगे। इसी भरोसे के कारण लोगों ने कहीं-कहीं उन भाजपा विधायकों का भी साथ दिया, जिनके कामकाज से वे खुश नहीं थे। तथ्य यह भी है कि जनकल्याण की तमाम योजनाओं के बेहतर अमल और कानून एवं व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार ने भाजपा के लिए एक ऐसा मजबूत वोट बैंक तैयार किया, जिसने जाति-समुदाय से हटकर भी वोट दिया। इससे अन्य दल सबक सीख सकें तो वे अपने साथ-साथ देश का भी भला करेंगे। गोवा और मणिपुर की तरह उत्तराखंड में भी भाजपा की वापसी एक बड़ी जीत के रूप में परिभाषित की जाएगी, क्योंकि यह पहली बार हुआ, जब यहां किसी सरकार ने लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की। यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भाजपा को पिछले कुछ माह में अपने मुख्यमंत्री बदलने पड़े। यह सही है कि नए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनाव हार गए, लेकिन पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने में उनकी एक बड़ी भूमिका रही। यह माना जा सकता है कि कांग्रेस यहां उन्हीं कारणों से चुनाव हारी, जिनके चलते पंजाब में असमंजस और आपसी गुटबाजी। कांग्रेस नेतृत्व को अब तो ईमानदारी से सोचना ही होगा कि उसकी लगातार दुर्दशा क्यों हो रही है? जैसे उत्तर प्रदेश में भाजपा की बड़ी जीत ने देश का ध्यान अपनी ओर खींचा, वैसे ही पंजाब में आम आदमी पार्टी ने। पंजाब का परिणाम बता रहा है कि राज्य की जनता कांग्रेस एवं अकाली दल, दोनों से ऊब गई थी। इस पर आश्चर्य नहीं कि आम आदमी पार्टी खुद को राष्ट्रीय दल के रूप में पेश कर रही है। पांच राज्यों के चुनाव नतीजे यह भी बता रहे हैं कि तथाकथित किसान आंदोलन आम किसानों का आंदोलन नहीं था।

पाकिस्तान में इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव क्या पड़ोसी मुल्क में हैं गृहयुद्ध के आसार एक्सपर्ट व्यू

नई दिल्ली। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव से पाकिस्तान की राजनीति गरमाई हुई है। यह आरोप है कि इमरान सरकार ने विपक्ष का मुंह बंद करने के लिए पुलिस और सेना का उपयोग कर रही है। इससे यह आशंका प्रबल है कि पाकिस्तान में गृह युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सच में इमरान सरकार मुश्किल में है क्या सच में विपक्ष को नियंत्रित करने के लिए सेना और पुलिस का उपयोग किया जा रहा है क्या पाकिस्तान में गृहयुद्ध के हालात हैं आइए जानते हैं इन मसलों पर क्या कहते हैं विशेषज्ञ। 1- प्रो हर्ष वी पंत का कहना है कि जिस तरह से विपक्ष की आवाज को नियंत्रित करने के लिए इमरान सरकार ने सेना को आगे किया है, वह पाकिस्तानी लोकतंत्र के लिए कतई शुभ नहीं है। पाकितान में लोकतंत्र कमजोर है, ऐसे में सेना एक निर्वाचित सरकार को हटाने का मौका खोजती है। ा बल और सेना का इस्तेमाल कर रही है, वह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है 2- प्रो पंत ने कहा कि सरकार और राजनीति में सेना का हस्तक्षेप खुद इमरान सरकार के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में ऐसे कई मौके आए है जब पक्ष और विपक्ष की कलह का सेना ने लाभ उठाया है।

युद्ध क्षेत्र में फंसे लोग कैसे निकलें सुरक्षित बाहर, रूस-यूक्रेन दोनों पर लग रहे युद्धविराम में सहयोग न करने के आरोप

यह न केवल चिंताजनक है, बल्कि निराशाजनक भी कि रूस और यूक्रेन में बातचीत का सिलसिला कायम रहने एवं उनकी ओर से युद्धविराम को लेकर सहमति जताने के बाद भी उस पर सही ढंग से अमल नहीं हो रहा है। इसके चलते लड़ाई वाले शहरों में न केवल यूक्रेन के लोग फंसे हुए हैं, बल्कि भारतीयों समेत अन्य अनेक देशों के नागरिक भी। उनके सामने न केवल खाने-पीने का संकट है, बल्कि जान बचाने का भी। सच्चाई जो भी हो, इसमें संदेह नहीं कि वहां तमाम निर्दोष-निहत्थे लोगों की जान खतरे में है। इससे भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि कहीं-कहीं यूक्रेन के लड़ाके विदेशी नागरिकों को बाहर निकालने में अड़ंगे डाल रहे है। शायद इसी कारण भारतीय प्रधानमंत्री को पहले यूक्रेन और फिर रूस के राष्ट्रपति से बात करनी पड़ी। वास्तव में इसकी चिंता रूस और यूक्रेन के साथ-साथ अमेरिका एवं उसके सहयोगी देशों को भी करनी चाहिए कि युद्ध क्षेत्र में फंसे लोग सुरक्षित बाहर निकलें। यह देखना दयनीय है कि ये देश यूक्रेन में हो रही तबाही पर चिंता तो जता रहे हैं, लेकिन इसके लिए कुछ नहीं कर रहे हैं कि वहां युद्धविराम प्रभावी तरीके से लागू हो, ताकि जान-माल की क्षति को रोका जा सके। वे शांति प्रयासों को बल देने के बजाय यूक्रेन को हथियार उपलब्ध कराने में लगे हुए हैं। क्या यह विचित्र नहीं कि भारत, इजरायल, तुर्की आदि तो युद्धविराम

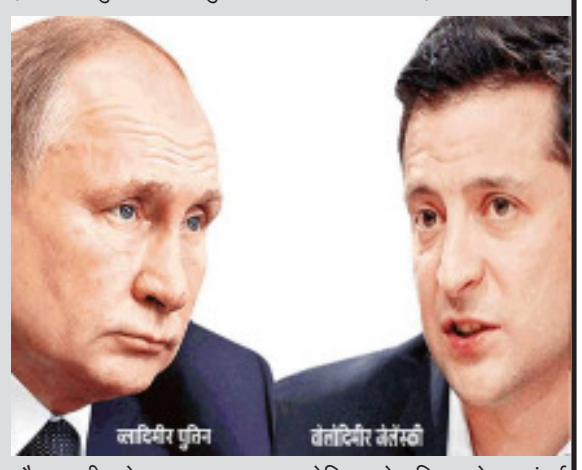

और बातचीत से समस्या समाधान के लिए पहल कर रहे है, लेकिन अमेरिका, ब्रिटेन की ओर से ऐसा कोई प्रयतन नहीं किया जा रहा है। यह तब है जब यूक्रेन में सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं और करीब 15 लाख लोग वहां से पलायन करने के लिए विवश हुए हैं। इस भीषण मानवीय त्रसदी के बीच इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अमेरिका और उसके साथी देश रूस की सुरक्षा चिंताओं को समझने के बजाय उसे उकसाने वाले काम करने में लगे हुए हैं। वे भले ही यूक्रेन की सीधी मदद करने से इन्कार कर रहे हों, लेकिन उसे हथियार देकर संघर्ष को भड़काने का ही काम कर रहे हैं। इस पर भी गौर करें कि यूरोपीय देश रूस पर प्रतिबंध भी लगा रहे हैं और उससे तेल एवं गैस की खरीद भी कर रहे हैं। आखिर यह एक किस्म का पाखंड नहीं तो और क्या है।

रूस-यूक्रेन के बीच छिड़ें युद्ध से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, आम आदमी पर पड़ेगी महंगाई की मार

रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ा युद्ध चाहे जिस नतीजे पर पहुंचे, दुनिया भर में महंगाई बढ़ना तय है। इस युद्ध ने कोविड महामारी से उबर रही वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष एक नया संकट खड़ा कर दिया है। यूक्रेन पर रूस के हमले के साथ ही कच्चे तेल के मूल्यों में वृद्धि का जो सिलसिला कायम हुआ, वह थमने का नाम नहीं ले रहा है। विश्व बाजार में कच्चे तेल के दाम 120 डालर प्रति बैरल का स्तर पार करते दिख रहे हैं। यदि यूक्रेन संकट का शीघ्र हल नहीं निकला तो कच्चे तेल के दामों में और भी बढ़ोतरी हो सकती है। चूंकि भारत पेट्रोलियम पदार्थों का बड़ा आयातक है इसलिए उसे भी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि का मतलब है महंगाई बढ़ना। एक ओर जहां इस महंगाई को थामने के लिए सरकार को तत्काल प्रभाव से उपाय करने होंगे, वहीं आम जनता को भी उसका सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। महंगाई बढ़ने का कारण केवल पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि ही नहीं, बल्कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की ओर से रूस पर लगाए जा रहे प्रतिबंध भी हो सकते हैं। जैसे सरकार इन प्रतिबंधों के असर से बचने की तैयारी कर रही है, वैसे ही उसे

पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में उछाल से बचने के लिए सक्रिय होना होगा। यह कठिन काम है, लेकिन कुछ तो उपाय करने ही होंगे। आवश्यक केवल यह नहीं कि आयातित पेट्रोलियम पदार्थों पर निर्भरता कम करने के उपाय खोजे जाएं, बल्कि यह भी है कि उसकी खपत कम करने के कदम उठाए जाएं। ऐसे कदम तभी सफल होंगे, जब जनता का सहयोग मिलेगा। आवागमन के लिए सार्वजनिक परिवहन जैसे साधनों का अधिकाधिक उपयोग समय की मांग है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि ट्रैफिक जाम, अतिक्रमण आदि के कारण वाहन या तो धीमी गति से या फिर रुक-रुक कर चलते हैं। इससे ईंधन की बहुत बर्बादी होती है। इसे तुरंत तो नहीं रोका जा सकता, लेकिन ऐसे कदम तो उठाए ही जा सकते हैं, जिससे इस बर्बादी पर यथासंभव रोक लगे। इसके साथ ही ऐसे भी जतन किए जाने चाहिए, जिससे इलेक्टिक वाहनों के चलन को बढ़ावा मिले।

बेसहारा गाय की समस्या का सामाजिक स्तर पर कैसे हो समाधान

उत्तर प्रदेश समेत सभी पांच राज्यों में संपन्न विधानसभा चुनावों के परिणाम आ चुके हैं। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ एक बार फिर सत्ता में आई है। निश्चित तौर पर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में शासन-प्रशासन के संचालन में व्यापक परिवर्तन हुआ है, परिणामस्वरूप लोगों ने एक बार फिर उन्हें ही राज्य की सत्ता सौंपी है। परंतु उत्तर प्रदेश में बेसहारा पशुओं से किसानों को होने वाली परेशानी किसी से छिपी नहीं है। चुनावों में किसानों की यह समस्या दूर करने का मुद्दा भी राजनीतिक दलों ने उठाया था। दो वर्ष पहले केंद्रीय पशुपालन मंत्रालय ने इनकी गणना का आंकड़ा पेश किया था। इसमें बेसहारा पशुओं की संख्या 50 लाख बताई गई थी, जो निरंतर बढ़ रही है। हालांकि सरकार राष्ट्रीय गोकुल मिशन के माध्यम से इन्हें गौशालाओं और अन्य आश्रय स्थलों पर भेजने में जुटी है, परंतु इस समस्या का पर्याप्त निदान नहीं हो सका है। भारत दुनिया में दुग्ध उत्पादन के मामले में आज शीर्ष पर है। देश में दुग्ध उत्पादन 15 करोड़ लीटर प्रतिदिन है। हैरत की बात है कि औसत खपत 65 करोड़ लीटर प्रतिदिन है। उत्पादन और खपत के बीच 50 करोड़ लीटर का अंतर मामूली नहीं है। मिल्क पाउडर से बने दूध के बावजूद बड़ी मात्रा में आपूर्ति मिलावटी दूध से ही होती है। वस्तुतः यूरिया, डिटर्जेंट, अमोनियम सल्फेट, कास्टिक सोडा जैसे रसायनों से बना दूध जहर के समान है। इस बीच बेसहारा गायों की समस्या के साथ ही यह भी मुंह बाए खड़ी है। दोनों ही समस्याएं आपस में जुड़ी हुई हैं। दूध को अमृत के समान माना जाता है। यह गुण कायम रखने से दोनों समस्याओं का समाधान होता है। आंकड़ों में 12.7 लाख बेसहारा गायों के साथ राजस्थान शीर्ष पर है। उत्तर प्रदेश में यह संख्या 10.18 लाख, मध्य प्रदेश में 8.53 लाख, गुजरात में 3.43 लाख और छत्तीसगढ़ में 1.84 लाख है। साथ ही महाराष्ट्र, पंजाब, ओडिशा व बंगाल जैसे राज्यों में भी यह समस्या है। इसकी जड़ श्वेत क्रांति के युग में मिलती है। इसने पशुओं का रंग, रूप, नस्ल सब बदल दिया। जेनेटिक बदलाव की वजह से इस गंभीर समस्या का गहरा नाता है। देसी नस्ल के पशुओं से प्राप्त होने वाले दूध की गुणवत्ता स्वास्थ्य के लिए बेहतर है। भारत की आम जनता इस बात को समझती रही है। इसी वजह से तमाम कोशिशों के बाद भी देसी गाय की नस्ल खत्म नहीं हो सकी है। इस दौर में गौसेवा का अभियान नए रूप में विकसित हुआ। आज जनसहयोग से चलने वाली श्रीकृष्णायण जैसी गौशाला इसी का उदाहरण है। गौरक्षा आंदोलन से निकला यह प्रकल्प देसी नस्ल की गायों की सेवा पर ही केंद्रित है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की इसकी शाखाओं में हजारों गौवंश की सेवा हो रही है। ऐसे प्रयासों को बढ़ावा देने के साथ खेती करने वाले किसानों को भी इन्हें पालने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। कृषि की आधुनिक तकनीकी के बदले हल जोतने के लिए बैल का प्रयोग भी चर्चा में है। उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस समस्या का समाधान करने का वादा किया था। स्वच्छता मिशन के तहत 2018 में गोबर धन योजना का प्रारूप भी इसमें शामिल है। जल शक्ति मंत्रालय और वैकल्पिक ऊर्जा मंत्रालय का संयुक्त प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में निकट भविष्य में मूर्त रूप ले सकता है। हालांकि बेसहारा गायों की समस्या गावों तक सीमित नहीं है। दिल्ली की सरकार ने गायों

की शिनाख्त करने की तकनीक पर काम शुरू किया है, ताकि छुट्टा घूमते पाए जाने पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाने की योजना को लागू किया जा सके। हालांकि गायों की सुरक्षा की यह नीति उनके हिस्से की प्रकृति को हड़पने का ही काम है। गोधन की महत्ता भारत की जलवायु के अनुकूल है। जीवनशैली में परिवर्तन के कारण यह समझ सामान्य जन की चेतना से परे है। तकनीक के बूते इन समस्याओं को दूर करने के बदले गोवंश की उपयोगिता बहाल करना चाहिए। उत्तर प्रदेश में बेसहारा गायों की संख्या से गौहत्या पर लगे प्रतिबंध की पुष्टि होती है। इसके साथ ही गांवों में मौजूद रही गोचर भूमि के हरण की दशा भी उजागर हुई है। अपने देश के लोगों को इस बात का ज्ञान रहा कि गाय का दूध भी अमृत नहीं होता, जब तक गोचर नहीं घूमे। मानव जाति ने पशु पक्षी से उनके हिस्से की जमीन छीन ली है। दूध बढ़ाने के नाम पर उनकी नस्ल बदल दी। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि गोवंश की संख्या वर्ष 1947 में हमारे देश में लगभग 121 करोड़ थी और आज यह केवल 10 करोड़ रह गई है। दूध की गुणवत्ता के मुद्दे पर भारतीय नस्ल के गायों की तुलना में विदेशी नस्ल टिकती नहीं है। जर्सी और मिश्रित नस्ल के पशुओं को पालना स्थानीय जलवायु के अनुकूल नहीं है। इनके बावजूद आज देसी गाय की संख्या आधी भी नहीं बची है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन व कामधेनु आयोग के माध्यम से भी गोसेवा का लक्ष्य साधने में सरकार लगी है। यह गिर, सिंधी और साहीवाल जैसी देसी गायों के संवर्धन की हजारों करोड़ की परियोजना है। मिश्रित नस्ल की गायों को गोवंश में शामिल रखने के लिए नस्ल सुधार की जरूरत है। आज गौकशी कानून से जुड़ी दूसरी बातों पर भी विमर्श जारी है। गोसेवा में लगे समूहों को इससे सहयोग मिलेगा। इस कड़ी में गोचर भूमि का संरक्षण भी आवश्यक है। अपने देश में एक पुरानी कहावत है कि गौ और ब्राह्मण घूमते हैं तो जीते हैं। इस सूत्र को साधकर ही श्वेत क्रांति का नया युग सफल होगा।

रूसी सेना ने मारियुपोल में 86 से अधिक लोगों को शरण देने वाली मस्जिद पर बमबारी की

कीव। यूक्रेन और रूस के बीच भीषण जंग जारी है। रूसी सैनिक लगातार यूक्रेन के अलग-अलग शहरों पर बम के गोले बरसा रहे हैं, जिसकी कई देश निंदा कर रहे हैं, लेकिन बावजूद इसके रूस हमला तेज करते हुए कई शहरों पर घातक बमबारी कर रहा है। यूक्रेन की सरकार का कहना है कि रूसी सेना ने मारियुपोल शहर में 80 से अधिक लोगों को शरण देने वाली एक मस्जिद पर बमबारी की। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि दक्षिण पूर्वी यूक्रेनी बंदरगाह शहर मारियुपोल में एक मस्जिद, जहां 86 नागरिक शरण ले रहे थे, पर रूसी सेना ने गोलाबारी की। मंत्रालय ने अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा कि मारियुपोल में सुल्तान सुलेमान द मैगिनिफिकेंट और उनकी पतनी रोक्सोलाना (हुर्रेम सुल्तान) की मस्जिद पर रूसी सैनिकों ने गोलाबारी की। तुर्की में यूक्रेनी दूतावास का कहना है कि 34 बच्चों सहित 86 तुर्की नागरिकों का एक समूह, मारियुपोल शहर में एक मस्जिद में शरण लिए हुए है। दूतावास के एक प्रवक्ता ने शहर के मेयर से मिली जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने आजोव सागर पर घिरे बंदरगाह पर रूसी हमले से पनाह लेने के लिए अन्य लोगों के साथ मस्जिद में शरण ली थी। वह कहती है कि मारियुपोल में वास्तव में बड़ी संचार समस्याएं है और उन तक पहुंचने का कोई अवसर नहीं है। मारियुपोल एक सप्ताह से अधिक समय से घेराबंदी जारी है। लगातार बमबारी की रही है। शहर को रूसी सैनिकों द्वारा की घेराबंदी से मारियुपोल अब धरती पर सबसे भीषण मानवीय आपदा से जूझ रहा है। यहां 12 दिनों में 1,582 नागरिक मारे गए है। शहर के एक बच्चों के अस्पताल पर बुधवार को हुए मिसाइल से हमले में एक बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जिससे

घेर लिया गया है। डाक्टर्स विदाउट बार्डर्स के एक शीर्ष कार्यकारी ने कहा कि रणनीतिक बंदरगाह शहर में स्थिति ठनिराशाजनकठ थी, जहां नागरिक भागने की सख्त कोशिश कर रहे थे। यहां पानी या गर्मी के बिना हालात खराब है, लोग भोजन के लिए तरस रहे है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि रुसी सैनानी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आक्रोश फैल गया। यूक्रेन की उप प्रधान मंत्री इरीना वीरेशचुक ने कहा कि इस पृष्ठभूमि के खिलाफ एक मानवीय गलियारा खोलने का एक नया प्रयास किया जा रहा है ताकि नागरिकों को उत्तर पूर्व में लगभग 200 किलोमीटर की दूरी पर जापोरिज़िजिया की ओर शहर खाली करने की अनुमति मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

18 या फिर 19 मार्च को है होली, खबर पढ़कर दूर करें भ्रम और जानें होलिका दहन का शुभ मुहूर्त

नई दिल्ली। हिंदुओं के दो बड़े त्योहारों में शुमार होली आगामी 18 मार्च (शुक्रवार) मनाई जाएगी। रंगों के इस त्योहार से पूर्व 17 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा। कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आने के बाद फाल्गुन मास की पूर्णिमा के अगले दिन मनाई जाने वाली होली को लेकर दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर के लोगों को खासा उत्साह है गणना के मुताबिक, होलिका दहन 17 मार्च को दिन बृहस्पतिवार को होगा, जबकि रंगों से होली 18 मार्च (शुक्रवार को) खेली जाएगी। वहीं, फिलहाल मांगलिक कार्य नहीं किए जा रहे हैं, क्योंकि हालिकाष्टक चल रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, होली त्योहार के 8 दिन पूर्व विष्णु के अन्नय भक्त प्रह्लाद को उसके पिता हिरणाकश्यप के आदेश पर यातनाएं देनी शुरू हो गई थीं। ऐसे में होलिकाष्टक लगने के बाद कोई मंगल कार्य नहीं होता है। इस लिहाज फिलहाल होलिकाष्टक लगने पर कोई भी मांगलिक कार्य मसलन मुंडन, विवाह, गृह प्रवेश जैसे काम वर्जित होते हैं और हिंदु धर्म को मानने वाले लोग इसे तरजीह भी देते है। फाल्गुन पूर्णिमा तिथि 17 मार्च और दिन बृहस्पतिवा को दोपहर 01:29 बजे होलिका दहन का शुभ मुहूर्त शुरू होगा।

दिल्ली-एनसीआर में आवास बनाने से पहले जरूर पढ़ें यह रिपोर्ट, जलवायु परिवर्तन के असर से भी होगा बचाव

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव से बचने की दिशा में संभावित उपायों पर विचार-विमर्श का दौर शुरू हो गया है। इंटरगवर्नमेंटल पैनल आन क्लाइमेट चेंज (आइपीसीसी) ने एडाप्टेशन पालिसी बनाने का सुझाव दिया है। वहीं, थिंक टैंक सेंटर फार साइंस एंड एन्वायरमेंट (सीएसई) ने जलवायु परिवर्तन और महामारी के असर से बचने के लिए घर बनाने के तौर तरीकों में बदलाव की सिफारिश की है। सीएसई के अनुसार घर बनाते वक्त भौगोलिक स्थिति और मौसम के आकलन को आधार बनाना होगा।

मिथिला के लोगों ने होली मिलन समारोह आयोजित किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। मिथिला जन सहयोग समिति की ओर से बी ब्लॉक न्यू अशोक नगर में होली मिलन एवं पुष्प समारोह का आयोजन किया। जिसमे मिथिला के सुप्रसिद्ध कलाकारो ने शमा बांध दी। जिसमे मिथिला के गणमान्य लोग उपस्थित हुए जिसमे संस्था के अध्यक्ष अमर नाथ जी ने अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद एवं मिथिला राज्य संघर्ष समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र मिश्र को सम्मानित किया। मन बहुत हरषित ऐछ आ मंजिल बहुत कठिन। आहाँ सबके सहयोग, संग आ मार्गदर्शनक सदैव ज़रुरी अछि। एवं टीम के रामचंद्र झा ,रमन चौधरी ,मनोहर चौधरी ,विद्यानंद को सफल कार्यक्रम के लिए बहुत बहुत बधाई संग शुभकामना।

भाजपा की करनी और कथनी का कोई वजूद नहीं- विनोद ताम्रकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्योहारी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के आवाहन पर एवं संगठन प्रभारी माननीय राजेंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन में ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी द्वारा 30वें दिन शनिवार को ब्योहारी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बेड़रा में घर चलो घर घर चलो अभियान चलाया गया एवं डोर टू डोर जनसंपर्क कर ग्रामीण वासियों से गांव में व्याप्त समास्याओं को जाना और निराकरण का आश्वासन दिया गया जिस प्रकार आए दिन बढ़ रही महंगाई बेरोज़गारी भ्रष्टाचारी जैसे कई मुद्दे जिनसे भाजपा हमेशा जनता का ध्यान हटाकर जाति धर्म के नाम पर देश और समाज को बांटने का कार्य करती है हर तरफ चोर मचाए शोर जैसी स्थिति उत्पन्न कर जनता के हितों को हटाकर धर्म के नाम पर जनता को बांटना और अपनी कुर्सी बचाने का गंदा खेल भाजपा खेल रही है अभियान का नेतृत्व कर रहे ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी के अध्यक्ष विनोद ताम्रकार ने जनता से संवाद कर कहा कि जैसे कहावत है नया नौ दिन वैसे ही भाजपा का ये गंदा खेल ज्यादा दिनों तक चलने वाला नहीं है झूठ के पैर नहीं होते वैसे ही भाजपा की करनी कथनी का कोई वजूद नहीं है अभियान के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा चालाए जा रहे सदस्यता अभियान के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं युवाओं को अत्यधिक संख्या में कांग्रेस पार्टी की रीति नीति से जोड़कर सदस्यता दिलाई गई व कमलनाथ द्वारा हर बूथ पर एक महिला व एक पुरूष को डिजिटल सदस्य बनाया गया एवं कांग्रेस पार्टी की रीति नीति को घर घर जाकर आम जनता के बीच कांग्रेस पार्टी के जनहितैषी कार्यो का उल्लेख किया गया एवं भाजपा की कुनिति को उजागर करने हेतु जारी पम्पलेट का वितरण घर घर किया गया अभियान के दौरान मुख्य रूप से यह रहें उपस्थित महिला कांग्रेस अध्यक्ष जारीना खातुन महिला कांग्रेस सचिव रूना लैला आईटी सेल कांग्रेस अध्यक्ष आयुष ताम्रकार बैदेही शरण गुप्ता विनोद सिंह गोंड तीरथ साकेत सुखलाल साकेत रामचरण सिंह बलवीर सिंह गोंड रामचरण कोरी बृजेश सिंह गोंड सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व ग्रामीण महिलाएं युवा किसान उपस्थित रहे।

मप्र में भी बनाएंगे आप की सरकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्योहारी। आम आदमी पार्टी ब्यौहारी ब्लाक ने पंजाब में आप की जीत पर नगर में मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। आप के संभागीय उपाध्यक्ष राजभान पांडे ने बताया कि पंजाब में आप को 117 सीटों में से 92 सीटें मिली है। इस जीत से पार्टी के कार्यकर्ताओं का हौसला और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब के जैसे ही अब मध्यप्रदेश में भी आप की सरकार बनाएंगे। इस मौके पर ब्लाक अध्यक्ष भूपेंद्र श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष विरेंद्र पटेल, यूथ अध्यक्ष विपुल पाण्डेय, सचिव छत्रपाल बर्मन, कोषाध्यक्ष मृगेंद्र सिंह, मुकुल तिवारी, रामरूप बुनकर, राजेश पटेल, राजीव पटेल, मिथलेश पटेल, रवि गुप्ता, लालजी शर्मा, महिला कार्यकर्ता सत्यकला पटेल, राधा साकेत, नीलम गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केसरवानी महिला सभा व्योहारी के द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्योहारी। केसरवानी महिला सभा के द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस गरिमामय वातावरण में अमर पैलेस में मातृ शक्ति के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम कर मनाया गया जिसे कई थीम में प्रस्तुत किया गया सर्वप्रथम महर्षि कश्यप ऋषि की एवं मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया सबसे पहले स्वागत गीत एवं गणेश वंदना की प्रस्तुत की गई एवं आजकल हो रहे तलाक पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व बेटियों पर हो रहे अभद्र व्यवहार पर आधारित थे इसके साथ ही केसरवानी महिला सभा की सभी सात संरक्षक सदस्यों को सम्मानित किया गया और सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाली मात्र शक्तियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया साथ ही विगत कुछ वर्षों से हमारी बहनों के साथ वज्राघाट हुआ है उनका सुख दुख का जीवन साथी उनसे बिछड़ गया है वह स्वयं ही अपने बच्चों की मां एवं पिता बनकर संघर्ष कर रही मातृशक्ति को महिला सभा की अध्यक्ष श्रीमती रितु संजय गुप्ता द्वारा एक नई पहल की शुरुआत की गई जिसमें समाज की संघर्षशील महिलाओं को जो समाज की मुख्यधारा से दूर होती जा रही थी उनके इस साहस व संघर्ष को बड़ी संवेदना के साथ नमन करते हुए उनके साथ महिला सभा हर स्थिति मे साथ है का भरोसा दिया 20 मात् शक्तियों को उनके संघर्ष, साहस, धैर्य के लिए नमन किया गया जिसकी सराहना केशरवानी समाज ब्योहारी के सभी जनो द्वारा की जा गई इसका श्रेय केसरवानी महिला नगरसभा की समस्त पदाधिकारियों व समाज की मातृ - शक्तियों को जाता है इस कार्यक्रम मे 300से ऊपर महिलाओं ने सहभागिता की , इसके पश्चात सभी मातृशक्ति का आभार प्रकट एवं स्वल्पाहार करा कर कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।

योगी 2 में पश्चिमी यूपी के किन नेताओं की हो रही है दावेदारी मंत्रिमण्डल में

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। जबरदस्त बहुमत से चुन कर आई भाजपा सरकार यानी योगी2.0 में मंत्रिमंडल गठन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक गलियारों से लेकर मीडिया तक मंत्रिमंडल के दावेदारों पर कयास लगाऐ जा रहे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मेरठ, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर में कई विधायक इस बार दोबारा बड़े बहुमत से जीत कर आए है।सोशल मीडिया से लेकर नेताओ के समर्थकों द्वारा चलाई जा रही मुहिम के आधार से समझा है कि पश्चिम से ठाकुर, वैश्य, ब्राह्मण, दलित, जाट और गुर्जर जातियों से प्रतिनिधित्व पर सबके अपने अपने दावे है ।नोएडा से विधायक पंकज सिंह हो सकते है क्षत्रीय समाज से मंत्री गौतमबुद्ध नगर से दोबारा जबरदस्त वोटो से जीत कर आए नेताओ की जिले की तीनों सीटो पर जबरदस्त वापसी हुई है लेकिन माना जा रहा है कि सुरेश राणा की हार के बाद ठाकुर चेहरे के रूप में युवा नेता व नोएडा विधायक पंकज सिंह को जगह मिल सकती है। पंकज सिंह कल ही लखनऊ में सीएम आवास पर जाकर मिले है । हालांकि योगी आदित्यनाथ की पसंद बने जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह को भी मंत्री पद की रेस में आगे माना जा रहा है जेवर में उनके प्रचार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद उतरे थे।दिनेश खटीक बन सकते है दलित समाज से मंत्रीमेरठ से तीसरी बार विधायक बनकर सदन पहुंचे हैं। जिसमें पिछली सरकार में राज्यमंत्री रहे दिनेश खटीक का दावा सबसे बड़ा है। अंतिम मंत्रिमंडल विस्तार में दिनेश को शामिल कर मेरठ को प्रतिनिधित्व देने के साथ ही दलित समीकरण भी साधा गया, जो इस बार फिर तैयार हैं हालांकि प्रदेश के कई अन्य दलित चेहरों से उन्हें चुनौती मिलेगी।वैश्य समाज से अमित अग्रवाल भी बन सकते है मंत्रीइसके साथ ही 25 साल बाद विधायक बनकर तीसरी बार सदन पहुंचने वाले अनुभवी चेहरा एवं कैंट विधायक अमित अग्रवाल का दावा भी मजबूत है। यह सीट मेरठ में 1989 से भाजपा की साख बचा रही है, जहां इस बार अमित 1.18 लाख के रिकार्ड मतों से जीते हैं।गुर्जर समाज से रेस में सबसे आगे है डा सोमेंद्र तोमरमेरठ दक्षिण सीट से कड़ी चुनौती पार कर फिर से जीते युवा गुर्जर चेहरा डा. सोमेंद्र तोमर का मंत्रिमंडल में बड़ा दावा है। माना जा रहा है कि पार्टी उनके नाम पर दांव लगा सकती है। सोमेंद्र के साथ गुर्जर चेहरों में नन्दकिशोर गुर्जर एवं मुकेश चौधरी की भी बड़ी दावेदारी है। पिछली सरकार में दूसरे मंत्रिमंडल विस्तार में गुर्जर चेहरा अशोक कटारिया को शामिल किया गया, जिनका दावा इस बार भी मजबूत है।ब्राह्मण समाज से क्षेत्र में डा महेश शर्मा की विरासत को संभाल सकते है सुनील शर्मी तीनों जिलों से ब्राहमण चेहरों में साहिबाबाद से सुनील शर्मा मंत्रिमंडल की रेस में हैं वो भी अमरपाल शर्मा को रिकार्ड वोटो से हराकर विधायक बने है ।वहीं, जाट चेहरों में बागपत से दूसरी बार जीते योगेश धामा को अहम जिम्मेदारी मिल सकती है।बाकी आगे आगे देखो होता है क्या ।

कांग्रेस संगठन नही एक विचारधारा है- विनोद ताम्रकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्योहारी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल के अध्यक्ष कमलनाथ के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के अध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह के आवाहन पर एवं संगठन प्रभारी राजेंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन में ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी के अध्यक्ष विनोद ताम्रकार के नेतृत्व में लगातार 31वे दिन रविवार को ब्योहारी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गाड़ा नकुनी में घर चलो घर घर चलो अभियान चलाया गया एवं घर घर जाकर ग्रामीण वासियों से संवाद कर भाजपा की जनविरोधी नीतियों को उजागर कर भाजपा कुशासन की पोल खोली चुनाव आते ही भाजपा आम जनता के बीच धर्म जाति का गंदा खेल खेलकर समाज को विभाजित करने का कार्य भाजपा की कुनिति और नीयत है जब जब धर्म के ठेकेदारों को अपनी गद्दी खतरे में लगती है तब तब धर्म जाति जिंद बाहर निकाल लिया जाता है रोजगार महंगाई अपराध जैसे मुद्दों को हटाकर धर्म के नाम पर आम जनता को भटकाना और देश को गर्त में धकेलने का कार्य भाजपा ने किया है देश के भीतर अगर कोई आम जनता का दुश्मन है तो देश में बैठी भाजपा और उसका कुशासन है हर तरह से फेल भाजपा सरकार सिर्फ धर्म के नाम पर चुनाव में जनता को चूना लगाना है अभियान के दौरान घर घर जाकर कांग्रेस पार्टी द्वारा चालाए जा रहे सदस्यता अभियान के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं युवाओं किसानों को कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से जोड़कर सदस्यता दिलाई व हर बूथ पर एक महिला व एक पुरूष को डिजिटल सदस्य बनाया गया हर गली नुक्कड़ चौराहे पर रैली निकाल कर प्रत्येक व्यक्ति से संवाद कर भाजपा की कुनिति को उजागर किया गया व कमलनाथ द्वारा जारी पम्पलेट का वितरण किया गया अभियान के दौरान मुख्य रूप से यह रहें उपस्थित पूर्व जनपद पंचायत सदस्य हरेंद्र सिंह संगठन महामंत्री हरिशंकर कोरी महिला कांग्रेस अध्यक्ष जारीना खातुन बैदेही शरण गुप्ता आईटीसेल कांग्रेस अध्यक्ष आयुष ताम्रकार कमला कोरी सुनीता बर्मन राधेश्याम पाठक राघवेन्द पाठक लालमन यादव माया कहार रामनरेश यादव काशी यादव फूलमती यादव विजय यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व ग्रामीण महिलाएं युवा किसान उपस्थित रहे

गोमती मित्रों ने दी बधाई,गोमती स्वच्छता की याद दिलाई

गोमती मित्र मंडल परिवार ने अपने साप्ताहिक श्रमदान के दिन नई सरकार और उसके मुखिया को बधाई देते हुए गोमती स्वच्छता मिशन को और तेज करने और गोमती की धारा में पूरे क्षेत्र में गिर रहे नालों को बंद करने की मांग की,,प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह व मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी ने नगर क्षेत्र के सीता कुंड धाम पर पक्केघाट,सीढियां और सौंदर्यीकरण के लिए धनराशि अवमुक्त करने की अपनी पुरानी मांग की याद दिलाई,गोमती मित्रों ने एक स्वर में इन कामों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित करने के लिए कहा,श्रमदान में मुख्य रूप से उपस्थित रहे संरक्षक रतन कसौधन,अजय प्रताप सिंह,मुनन पाठक,डॉ कुंवर दिनकर प्रताप सिंह,मुन्ना सोनी,सेनजीत कसौधन दाऊ,सौरभ गुप्ता,पवन मौर्या,प्रभात शर्मा,राज मिश्रा,प्रांजल,आमिता पांडेय,तेजस्व पांडेय वासू,अभय मिश्रा आदि।।

पंजाब में आम आदमी पार्टी के प्रचंड जीत पर तिरंगा यात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। पंजाब में आम आदमी पार्टी की प्रचंड जीत पर शनिवार को उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा निकाली नोएडा में तिरँगा यात्रा का नेतृत्व जिला अध्यक्ष भूपेंद्र जादौन ने किया। उनके साथ पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय सेक्टर 18 से हाथों में तिरंगा लेकर पैदल बड़े जोश और जुनून में वन्देमातरम भारत माता की जय के नारे लगाते हुए विभिन्न मार्गो से होते हुये अट्टापीर चौराहे पर पहुँचे ।तिरंगा यात्रा में मौजूद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष भूपेंद्र जादोन ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब जीत कर इतिहास रच दिया है आठ साल पहले बनी पार्टी ने देश में राजनीति करने वाली पार्टीयो से मुख्य विपक्ष की जगह को छीन लिया है भूपेन्द्र जादौन ने कहा पंजाब के लोगों ने आम आदमी पार्टी को प्रचंड बहुमत देकर खुशहाली और विकास के मॉडल को चुना है ।अरविंद केजरीवाल के मॉडल में शिक्षा,सुरक्षा, स्वास्थ,रोजगार पर काम होता है तिरंगा यात्रा में प्रदेश एवं जिला के बड़ी संख्या में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में प्रदेश सचिव अशोक कमांडो, बॉयशाली सिन्हा प्रदेश अध्यक्ष कला संस्कृति प्रकोष्ठ पूर्व लोकसभा प्रत्याशी के पी सिंह नोएडा, दादरी जेवर से पार्टी से विधानसभा प्रत्याशी रहे पंकज अवाना, संजय तुगलपुर,पूनम सिंह, माइनॉरिटी विंग जिलाध्यक्ष दिलदार अन्सारी, प्रशान्त रावत महानगर अध्यक्ष, नितिन प्रजापति नोएडा विधानसभा अध्यक्ष, मुकेश प्रधान जेवर विधानसभा अध्यक्ष जिला उपाध्यक्ष राकेश अवना,कैलाश शर्मा , प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्ष में राहुल सेठ यूथ विंग , संतोष्त भाटी छत्रविंग,मुनन गुप्ता व्यापारविंग,प्रीति उपाध्याय महिलाविंग, शंकर चौधरी पूर्वांचल विंग, योगानंद झा मिथिलांचल विंग,डॉ बी पी सिंह चिकित्साविंग जयकिशन जैसवाल, विनीत राजपूत,विजय श्रीवास्तव,इंतजार सोलंकी, सरताज अंसारी, विक्की गुर्जर, अमर सिंह,सदाकत खान,अलीका, राहुल, श्यामू,राजीव सिंह,शुभम पांडे,जीतू गुर्जर,,एन डी चौधरी, उदय मलिक, प्रदीप सुनाइच्या, प्रमोद सिंह,दिलीप मिश्रा, साकिर, राजकुमार प्रसाद, अफजल चौधरी, माधव मिश्रा, आदिल , संजय कुमार, उदय कुमार,शिनदेश्वर कुमार, यामिन अन्सारी ,सदाकत खान,जाहिद ,रहीस ठाकुर ऋषि मोरना आदि मौजद रहे।

जरूरतमंद श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। एक्समार्ट इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं तेरा पंथ प्रोफेशनल्स फोरम उत्तर क्षेत्र के उपाध्यक्ष राजेश कुमार जैन ने बुधवार, 9 मार्च को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक डी-21 और 22, ईपीआईपी, कासना, ग्रेटर नोएडा, यूपी में श्रमिकों और जरूरतमंद लोगों के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया।यह शिविर 11वें आचार्य श्री महाश्रमण के आशीर्वाद और मुनिश्री रजनीश कुमार जी टीपीएफ के प्रभारी / मार्गदर्शक के द्वार आयोजित किया गया है घ् इस शिविर में विभिन्न विशिष्टताओं वाले चिकित्सा विशेषज्ञों ने मरीजों के इलाज में स्वैच्छिक सेवाएं प्रदान कीं, चिकित्सा जांच और दवाओं का मुफ्त वितरण आदि।देखने में यह सिर्फ बस है, लेकिन असल में यह मोबाइल अस्पताल ; डवइपसम भवेचपजंसद्ध है. यह वातानुकूलित बस देश का पहला ऐसा मोबाइल अस्पताल ; डवइपसम भ्वेचपजंसद्ध है, जो 9 साल में 2 देशों सहित देश के 23 राज्यों के 900 गांवों में पहुंच चुका है। यह चिकित्सालय भारत का एक मात्र ऐसा चिकित्सालय है जो आचार्य महाश्रमण की अहिंसा यात्रा के दौरान गाँव/शहर जाकर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाता है ।इसका संचालन जैन श्वेताबंर तेरापंथ धर्मसंघ की चतुर्थ संगठनमूलक संस्था तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम करती है । इस्के वर्तमान अध्यक्ष नवीन पारख है तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के सीनियर प्रबंधक कमलेश भाटी ने बताया कि इस चल चिकित्सालय का शुभारंभ 16 जनवरी 2021 को राजसमंद जिले के आमेट में 148वें मर्यादा महोत्सव के दौरान हुई। अब तक करीब 1.80 लाख मरीजों की निशुल्क जांच की और दवाइयां निशुल्क दी गई। टीपीएफ उत्तर क्षेत्र उपाध्यक्ष- राजेश कुमार जैन ने बताया कि उत्तराखंड में बाढ़, श्रीनगर में जल प्रलय और नेपाल में भूकंप में कैंप लगाए। 9 साल में नेपाल, भूटान सहित देश के 900 गांवों में शिविर लगा चुका है। मोबाइल हॉस्पिटल पूरी तरह वातानुकूलित है और 3 डॉक्टर, एक लैब टेकनेशियन, एक कंपाउंडर सहित 9 सदस्यों का स्टाफ 24 घंटे सेवाएं दे रहे हैं। इसमें जनरल फिजिशियन, नेत्र-दंत रोग परीक्षण, लेबोरेट्री, पैथोलॉजी जांच के साथ ही ऑक्सीजन व आपात सुविधा भी उपलब्ध हैं. यही नहीं आपातकालीन एंबुलेंस हमेशा साथ रहती है, जो रोगी को गंभीरता को देखते हुए नजदीकी अस्पताल तक पहुंचाने का काम करती है।टीपीएफ उत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष-श्रील लुनकार ने बताया कि नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप के समय भी टीपीएफ ने मोबाईल चिकित्सालय के माध्यम से राहत अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और नेपाल के विभिन्न भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में अपेक्षित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराते हुए हजारों लोगों को राहत पहुंचाने का कार्य किया। टीपीएफ के इस सेवाकार्य की सराहना जहां स्वयं नेपाल के माननीय प्रधानमंत्री, महामहिम राष्ट्रपति, स्वास्थ्य मंत्रालय, नेपाल आर्मी सहित विभिन्न सरकारी गैरसरकारी संस्थाओं द्वारा की गई तो वही अंतर्राष्ट्रीय मीडिया ने भी टीपीएफ के इस राहत अभियान को विशिष्ट स्थान देते हुए देश और दुनिया तक पहुंचाया ।।

'CID' की 'इंस्पेक्टर' ने पार की हद, रेड बिकिनी पहन पूल में दिए ऐसे पोज, पहली तस्वीर में किया कुछ ऐसा मचा बवाल

नई दिल्ली। टीवी का फेसम जासूसी शो दर्शकों का फेवरेट रहा है। इस शो का हर किरदार अपने आप में बेदह ही खास है। फिर चाहे वो एसीपी प्रद्युमन हो या फिर दया या फिर इंस्पेक्टर मेघा गुप्ता। हर किसी किसी के अभिनय को काफी पसंद किया गया। शो में बड़े बड़े केस सुलझाती 'इंस्पेक्टर' मेघा रियल लाइफ में काफी हॉट एंड बोल्ड हैं। मेघा एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। वह आए दिन अपने चाहने वालों के लिए अपनी हॉट एंड सिजलिंग तस्वीरें शेयर कर उनका दिन बनाती नजर आती हैं। इसी बीच मेघा की कुछ लेटेस्ट तस्वीरें इंटरनेट की गर्मी को चार गुना बढ़ा रही हैं। इस तस्वीरों को आप यहां देख सकते हैं फेमस मेघा गुप्ता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह रेड बिकिनी पहने कहर ढाती नजर आ रही हैं। मेघा रेड कलर की बिकिनी पहन पूल में अलग-अलग पोज देती दिख रही हैं। इस दौराने वह बेहद ही बोल्ड पोज देती दिख रही हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि मेघा के बाल ओपन हैं जो उन पर काफी सूट होते नजर आ रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर फैंस लगातार उनकी हॉटनेस पर अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं आपको बात दें कि मेघा गुप्ता ने अपने करियर में कई

कर रहे हैं। वहीं उन्होंने गले में खूबसूरत सी चेन कैरी की है। वहीं पहली तस्वीर में वह अपनी बिकिनी को संभालती नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को देखकर फैंस क्रेजी हिट शोज में काम किया है। इन शोज में 'कुसुम', 'कुमकुम', 'सीआईडी' और 'मैं तेरी परछाई हूं' जैसे सीरियल्स में नजर आ चुकी है।

मसाबा गुप्ता ने मां नीना गुप्ता को बताया सर्वाइवर

नई दिल्ली। नीना गुप्ता और मसाबा गुप्ता बॉलीवुड की चर्चित मां-बेटी की जोडियों में से एक हैं। दोनों अक्सर अपनी बॉन्डिंग के लिए सोशल मीडिया पर सुर्खिया में रहती हैं। हाल ही में मसाबा ने अपने एक इंटरव्यू में नीना की उनकी जज्बे के लिए तारीफ की है और उन्हें 67 साल की उम्र में भी जिंदादिल बताया। मसाबा और नीना जल्द ही नेटफ्लिक्स की सीरीज 'मसाबा-मसाबा' के अगले सीजन में नजर आने वाली है। जिसका पहला सीजन साल 2020 में रिलीज किया गया था और इसमें मां की बेटी की यह जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर साथ नजर आई थीं। पिंकविला को दिए इंटरव्यू में मसाबा ने अपनी मां के कभी ना हार मानने वाले एटीट्यूड के लिए तारीफ की उन्हें वॉरियर बताया। जब मसाबा से पूछा गया कि उन्होंने अपनी मां से क्या सीखा तो उन्होंने कहा, 'मैंने अपने मां से यही सीखा है कि चलते रहो, कभी हार नहीं मानना। आपको पता है कि वह 67 साल की हैं और उन्होंने फिर से शुरु किया है। मुझे लगता है कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। आपको कभी भी हार नहीं माननी चाहिए और कभी खुद को खत्म नहीं समझना चाहिए। मुझे लगता है कि यही एक चीज मैंने उनसे सीखी है।इसके साथ ही मसाबा ने नीना के अपने पिता संग रहे नाकाम रिश्ता पर भी बात की और इसका अपने जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताया। यह पूछे जाने पर कि क्या मसाबा के लव लाइफ में उनकी मां के नकारात्मक अनुभवों ने उनके विचारों को कभी प्रभावित किया तो मसाबा ने कहा कि 'बच्चों को अपने मां-बाप के बोझ को लेकर नहीं चलना चाहिए। भले ही उन्होंने जो कुछ भी किया, उसमें हमेशा आभार वाली भावना थी। यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मुझे नहीं लगता कि हम में से किसी ने कभी भी बात की है।

सना सैय्यद जासूस बनकर रखेंगी योहान उर्फ सेहबान अजीम की हर हरकत पर नजर इस दिन होगा शो का प्रीमियर

नई दिल्ली। सना सैयद और सेहबान अजीम जल्द ही अपने नए शो 'स्पाय बहू' के साथ दर्शकों के सामने आ रहे हैं। इस शो की सूत्रधार करीना कपूर है। जब शो का पहला प्रोमो आउट हुआ था, उस दौरान करीना कपूर खान शो दोनों के अतरंगी लव स्टोरी के बारे में बताया था। अब हाल ही में मुंबई का शो लॉन्च हुआ और इस खास मौके पर मुख्य किरदारों सना और सेहबान के साथ-साथ शो की अन्य स्टार कास्ट भी मौजूद रही। इस शो में सना-सेहबान के अलावा आयूब खान, शोभा खोटे, देवाशीष चंडीरामणि और परिणीता बोरठाकुर महत्वपूर्ण भूमिका है। जो इस खास मौके पर मौजूद रहे। शो में जासूस सेजल की भूमिका निभाने वाली सना सैयद ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, 'जासूस कहानियों के लिए मेरे दिल में हमेशा एक विशेष प्रेम रहा है और मैं बेहद खुश हूं कि एक ऐसी ही कहानी बहू' का हिस्सा बनने जा रही हूं। मैं सेजल की भूमिका निभा रही हूं, जो एक ऐसी लड़की है जो हमेशा मस्ती में रहती है लेकिन इसके साथ ही बेहद तेज तर्रार भी है। सेजल का ध्यान अपने मिशन पर पूरी तरह से केंद्रित रहता है, लेकिन तब तक जब तक उसे योहान से प्यार नहीं हो जाता है। मैं बेहद रोमांचित महसूस कर रही हूं और इस नए प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं'। शो में संदिग्ध आतंकवादी की भूमिका निभाने वाले सेहबान अजीम ने कहा'स्पाय रोमांस की कहानी बेहद जादुई होती है जो उसे बहुत आकर्षक बनाती है। योहान का रोल प्ले करने का आनंद ही अलग है क्योंकि उसके व्यक्तित्व के कई दिलचस्प पहलू हैं, और योहान के व्यक्तित्व का रहस्यपूर्ण खिंचाव मुझे बेहद पसंद है। योहान जैसा दिलचस्प किरदार निभाने का मौका देने के लिए मैं कलर्स और विनीयार्ड फिल्मों का सदा आभारी रहूंगा और इस नई यात्रा में आगे

बढ़ने के लिए मैं बेहद उत्साहित हूं'। जामनगर शहर पर आधारित कहानी 'स्पाई बहू' एक भोली भाली, खुश रहने वाली भाग्यशाली लड़की सेजल की कहानी है जो अपने परिवार से बेहद प्रेम करती है और उनके लिए एक सुरक्षित भविष्य तलाश कर रही है। सेजल की परफेक्ट लाइफ बेहद छोटी है क्योंकि उसे अपने अतीत के दुख की झलकियां मिलने लगती हैं। जैसे ही उसे अपनी सच्चाई के बारे में पता चलता है, सेजल की जीवन में एक बहुत बड़ा बदलाव आता है। जहां पर उसे एक गुप्त मिशन में काम करने के लिए चुना जाता है। सेजल को एक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी द्वारा भर्ती किया जाता है, उसे योहान नंदा नाम के एक व्यक्ति और उसके परिवार की जासूसी करने के लिए कहा जाता है जो कि एक संदिग्ध आतंकवादी है। अपने आकर्षक व्यक्तित्व का उपयोग करते हुए, वह नंदा के घर में घुसपैठ करने में सफल हो जाती है और योहान की हर छोटी-बड़ी हरकत पर नजर रखने लगती है। जल्दी ही सेजल का मिशन बहुत जटिल हो जाता है क्योंकि उसे योहान के करिश्माई स्वभाव से प्रेम हो जाता है। लेकिन ये तो वह ही बताएगा कि इन दोनों को किस किस कसौटी से गुजरना होगा। कलर्स पर प्रसारित होने वाला शो 'स्पाय बहू' 14 मार्च से प्रसारित होगा। इस शो का कलर्स पर 14 मार्च को प्रीमियर होगा। उसके बाद यह शो सोमवार से शुक्रवार हर रात को 9 बजे आएगा।

रवीना टंडन ने फिल्म 'इम्तिहान' के 28 साल पूरे होने पर शेयर की सैफ अली खान और सनी देओल संग तस्वीरें, ताजा की यादें

नई दिल्ली। नब्बे के दशक की हिट बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ जुड़े रहने के लिए अक्सर अपने लाइफ के कई खास पलों को साझा करती हैं। शुक्रवार को भी एक्ट्रेस ने ऐसा ही एक पोस्ट शेयर किया है, जो उनकी फिल्म 'इम्तिहान' के 28 साल पूरे होने से जुड़ा है। 1994 में आई फिल्म 'इम्तिहान' में रवीना के साथ एक्टर सैफ अली खान और सनी देओल भी मुख्य भूमिकाओं में थे। जिसका निर्देशन हैरी बवेजा ने किया था। 11 मार्च को 'इम्तिहान' ने अपने रिलीज के 28 साल पूरे कर लिए है। जिसकी खुशी साझा करते हुए एक्ट्रेस ने फिल्म की कुछ तस्वारें अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है। फिल्म की यादों को ताजा करते हुए रवीना ने कैप्शन में लिखा, इम्तिहान के 28 साल, गाने और कहानी फिल्म की रीढ़ थे मजेदार यादें और हंसी।इम्तिहान' के कहानी की बात करें तो फिल्म में विक्की (सैफ अली खान) एक लोकप्रिय गायक है जिसे प्रीति (रवीना टंडन) से प्यार हो जाता है। वह उसके पिता से शादी के लिए उसका हाथ मांगता है और वह उसे स्वीकार कर लेती है। प्रीति उससे शादी करने के लिए राजी नहीं है लेकिन वह अपने पिता की खातिर मान जाती है और शादी कर लेती है लेकिन उसके जीवन का अतीत जो कि राजा (सनी देओल) से जुड़ा है है। उसके सामने एक बार फिर से आ जाता है। जिसके इर्द गिर्द फिल्म की कहानी घूमती है। वक्र फ्रंट की बात करें तो रवीना टंडन जल्द ही फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' में नजर आएंगी। फिल्म इस साल 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। जो कि प्रशांत नील द्वारा निर्देशित, 'केजीएफ चैप्टर 1' की

अगली कड़ी है। जिसमें फिल्म के लीड एक्टर रॉकी भाई (यश) के जीवन के आगे की कहानी दिखाई जाएगी। जब वह गरीबी से उठकर एक सोने की खान पर शासन करने वाला डॉन बन जाता है। फिल्म में यश के अलावा संजय दत्त भी मुख्य भूमिका में हैं।

सोनाली बेंद्रे ने कैंसर को मात देने पर खुद को बताया खुशकिस्मत, घर वापसी को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे ने कैंसर से ठीक होने के बाद हाल ही में काम पर वापसी की है और डांस रिएलटी शो 'डीआईडी लिटिल मास्टर' में बतौर जज नजर आ रही हैं। कैंसर से जंग को लेकर एक्ट्रेस ने अपने एक हालिया इंटरव्यू में बात की और इस जानलेवा बिमारी से ठीक होकर घर वापसी करने पर खुद को खुशकिस्मत बताया। साल 2018 में सोनाली बेंद्रे को पता चला था कि उन्हें मेटास्टेटिक कैंसर है। जिसके इलाज के लिए वह विदेश चली गई थीं। ठीक होने के बाद वह इंडिया वापस लौट आई थीं लेकिन फिटनेस और हेल्थ के कारण काम से दूरी बनाकर रखी थी। अपनी बिमारी को लेकर पिंकविला से बात करते हुए, सोनाली ने कहा, मैं बस आभारी हूं कि मैं वापस आ गई हूं, आभारी हूं कि मैं अपने बच्चे को बड़ा होते देख पा रही हूं, और आभारी हूं कि मैं यहां अपने माता-पिता के लिए हूं, बस उन सभी चीजों के लिए। मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। और हां, न केवल वापस, बल्कि एक तरह से ऐसी वापसी जहां मैं सेट पर जाकर 12 से 18 घंटे काम करने के लिए स्वस्थ हूं। वापस आने का कोई अन्य तरीका इतना बेकार और इतना मजेदार नहीं होगा। आपको बता दें कि मेटास्टेटिक कैंसर उसे कहते हैं जब कैंसर सेल्स अपने प्राइमरी स्पॉट से अलग हो जाती हैं और

लिम्फ सिस्टम या ब्लड के जरिए अन्य हिस्सों में फैल जाती है। कैंसर सेल्स शरीर के अन्य हिस्सों में ट्यूमर बनाती हैं, जिन्हें मेटास्टेटिक ट्यूमर के रूप में जाना जाता है। काम पर वापसी को लेकर एक्ट्रेस को उनके पति फिल्म निर्माता गोल्डी बहल ने भी पूरी तरह सपोर्ट किया जिसे लेकर सोनाली ने कहा, ठवह मुझसे बहुत पहले से ऐसा करने के लिए कह रहे हैं। उनका कहना था कि, 'तुम ठीक हो, तुम्हारा दिमाग इतना तेज है, काम पर वापस जाओ। वह मुझसे कह रहे हैं कि'तुम्हें काम पर वापस जाना चाहिए। सोनाली बेंद्रे के साथ शो डीआईडी लिटिल मास्टर को एक्ट्रेस मौना रॉय और कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा जज कर रहे है।

करीना कपूर खान ने भांजी समायरा की अनदेखी तस्वीर की शेयर जन्मदिन पर दिया ये खास मैसेज

नई दिल्ली। करिश्मा कपूर परदे पर जितनी सफल अभिनेत्री रहीं। उतनी ही मुश्किलों से भरी उनकी निजी जिंदगी रही। साल 2003 में करिश्मा कपूर ने दिल्ली बेस्ड बिजनेसमैन संजय कपूर के साथ सात-फेरे लिए थे। लेकिन शादी के कुछ सालों के बाद दोनों के रिश्ते में दरार आने लगीं और दोनों ने एक-दूसरे पर कई आरोप लगाए। इन दोनों ने साल 2016 में तलाक ले लिया था। संजय कपूर और करिश्मा के अलग होने के बाद बच्चों की कस्टडी करिश्मा कपूर को मिली। दोनों बच्चे समायरा और कियान राज कपूर अपनी मां के साथ ही रहते हैं। आज यानी कि 11 मार्च को करिश्मा की लाड़ली बेटी समायरा का जन्मदिन है। करिश्मा कपूर की बेटी समायरा इस साल 17 साल की हो चुकी हैं और इस खास मौके पर उनकी मौसी करीना कपूर खान और मां करिश्मा कपूर ने समायरा को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक पोस्ट किया। करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर समायरा कपूर की एक अनदेखी तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में नन्ही समायरा ने बड़े ही प्यार से अपनी मां करिश्मा कपूर को पकड़ा हुआ है। इस तस्वीर में वह काफी गोल-मटोल हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए और

अपनी भांजी को जन्मदिन की बधाई देते हुए करीना ने कैप्शन में लिखा, 'मम्मी की छोटी सी बच्ची, और हमारे लड़कों की शानदार बड़ी बहन। दयालु, सौम्य और सुन्दर आज 17 साल की हो चुकी हैं। जन्मदिन बहुत-बहुत बधाई हो समायरा। हम आपसे बहुत ही प्यार करते हैं'। करीना के अलावा समायरा की मां करिश्मा कपूर ने भी अपनी बेटी को उनके 17वें जन्मदिन की बधाई देते हुए विश किया। करिश्मा ने समायरा की एक फोटो शेयर की जिसमें वह अपना जन्मदिन मना रही हैं और केक काट रही हैं। इस तस्वीर में समायरा ने व्हाइट रंग के कैजुअल पहने है और बड़े ही प्यार से विश मांगते हुए वह कैंडल बुझा रही हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए करिश्मा कपूर ने कैप्शन में लिया, 'मेरी बेबी गर्ल को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मम्मी को इस फोटो को पोस्ट करने देने के ली तुम्हारा शुक्रिया'। समायरा को उनके जन्मदिन पर सिर्फ अपनी मां करिश्मा कपूर और मौसी करीना कपूर खान से ही जन्मदिन की बधाई नहीं मिली, बल्कि सोशल मीडिया पर उन्हें कई सितारों ने विश किया। माधुरी दीक्षित ने करिश्मा की लाड़ली को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो और ढेर सारा प्यार'। तारा सुतारिया ने विश करते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो खूबसूरत समायरा'। इसके अलावा अमृता अरोड़ा, मनीष मल्होत्रा, सोहा अली खान, महीप कपूर सहित कई सितारों और करिश्मा के फैंस ने समायरा को उनके 17वें जन्मदिन के मौके पर बधाई दी।

इंफोसिस सह संस्थापक एन.आर.नारायण मूर्ति की जिंदगी पर बनेगी फिल्म, अश्विनी अय्यर तिवारी करेंगी दमदार निर्देशन

मुंबई। वर्ष 1999 में आज ही के दिन इंफोसिस अमेरिकी स्टाक एक्सचेंज नैस्डैक की सूची में आने वाली प्रथम भारतीय कंपनी बनी। इसके सह संस्थापक एन. आर. नारायण मूर्ति ने न सिर्फ वैश्विक पटल पर देश का मान बढ़ाया, बल्कि मातृभूमि के प्रति ऋण व सामाजिक सरोकार को भी शिद्दत से निभाया। बच्चों की शिक्षा व सर्वांगीण विकास की दिशा में वे तत्पर हैं। नारायण मूर्ति की जिंदगी पर अश्विनी अय्यर तिवारी और नीतेश तिवारी फिल्म बनाने की तैयारी में हैं।'अगर एक व्यक्ति को भारत के तेजी से बढ़ते आईटी क्षेत्र का पिता कहा जा सकता है तो वह एन.आर. नारायण मूर्ति है। मूर्ति ने साबित कर दिया कि भारत साफ्टवेयर विकास कार्य को लेकर दुनिया से प्रतिस्पर्धा कर सकता है, जिस पर लंबे समय तक पश्चिमी देशों का आधिपत्य रहा है। मूर्ति ने आउटसोर्सिंग क्रांति को चिंगारी देने में मदद की, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था में अरबों डालर की संपत्ति ला दी और अपने देश को दुनिया के बैंक आफिस में बदल दिया।' यह बात प्रतिष्ठित अमेरिकी मैगजीन टाइम ने अपने अगस्त, 2007 के अंक में आइटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंफोसिस के सह संस्थापक नारायण मूर्ति के सम्मान में लिखी थी।करीब 41 साल पहले शुरू हुई इंफोसिस दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी है। नारायण मूर्ति ने पत्नी की मदद से इंफोसिस की नींव रखी थी। नागवार रामाराव नारायण मूर्ति को आमतौर पर लोग नारायण मूर्ति के नाम से जानते हैं। बचपन से उनकी दिलचस्पी विज्ञान और गणित में रही। दोस्तों के साथ उन्होंने आइआइटी की प्रवेश परीक्षा की तैयारी की और उसमें 17वां स्थान प्राप्त किया था। जब यह खुशखबरी देने पिता के पास पहुंचे तो वह खुश हुए पर उन्होंने फीस देने में असमर्थता जताई। यह सुनकर नारायण मूर्ति का दिल टूट गया, लेकिन वह शांत रहे। वह पिता की आर्थिक दिक्कतों को समझते थे। उनके पिता स्कूल टीचर थे। उनकी मासिक तनख्वाह 250 रुपये महीना थी और उनपर आठ बच्चों की जिम्मेदारी थी। रितु सिंह द्वारा लिखी किताब 'एन आर नारायण मूर्ति- ए बायोग्राफी' के मुताबिक उनके पिता ने कहा कि कोई संस्थान नहीं, बल्कि सिर्फ तुम अपनी जिंदगी में बदलाव ला सकते हो। अगर तुम होशियार हो तो किसी भी कालेज में जा सकते हो और सार्थक काम कर सकते हैं। पिता की यह बात उनके दिल में उतर गई। आईआईटी कानपुर जाना संभव नहीं था, इसलिए उन्होंने यूनिवर्सिटी आफ मैसूर के नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में दाखिला लिया और वहां टाप किया।वह हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्लांट (जल विद्युत शक्ति संयंत्र) में इंजीनियर बनने का सपना देखा करते थे। उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें आगे की शिक्षा जारी रखने की सलाह दी गई। इस बार मूर्ति आइआइटी कानपुर से एमटेक कर सकते थे, क्योंकि उन्हें छात्रवृत्ति समय पर मिल गई थी। आइआइटी कानपुर में ही मूर्ति ने पहली बार कंप्यूटर को देखा था। कानपुर में दो साल आइआइटी की पढ़ाई के दौरान उन्होंने कंप्यूटर और उससे संबंधित एप्लिकेशन का गहन अध्ययन किया। वहां से निकलने के बाद इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट (आइआइएम) अहमदाबाद में चीफ सिस्टम प्रोग्रामर के तौर पर महज आठ रुपये वेतन पर ज्वाइन किया। दरअसल, आइआइएम के प्रोफेसर कृष्णय्या ने तब उन्हें यह पद स्वीकार करने के लिए मनाया था, जब वह आइआइटी कानपुर गए थे। हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड के बाद आइआइएम दुनिया का तीसरा बिजनेस स्कूल था जहां पर मिनी कंप्यूटर लगाए गए थे। उनके पास इस इस अद्भुत रचना की पूरी क्षमता का पता लगाने का सुनहरा अवसर था। प्रोफेसर कृष्णय्या के मार्गदर्शन में उन्होंने पहला भारतीय बेसिक कंप्यूटर बनाया था।मूर्ति ने आइआइएम में नौकरी करने को जीवन का सबसे बेहतरीन फैसला बताया था। वहां पर तीन साल नौकरी के बाद वह दूसरी कंपनी में नौकरी के सिलसिले में पेरिस चले गए। वहां से वापस आने के बाद उन्होंने मुंबई में पटनी कंप्यूटर्स सिस्टम में बतौर जनरल मैनेजर ज्वाइन किया। उस समय तक (पत्नी) सुधा मूर्ति उनकी जिंदगी में आ चुकी थीं। पटनी कंप्यूटर्स सिस्टम्स में मूर्ति की मुलाकात नंदन नीलेकणी से हुई। जल्द ही दोनों अच्छे दोस्त बन गए थे। उस समय भारत में साफ्टवेयर इंडस्ट्री प्रारंभिक अवस्था में थी, पर मूर्ति और नंदन जैसे लोगों में कुछ नया करने की भूख थी। यही सोच उन्हें आगे ले गई। मूर्ति अक्सर नंदन के साथ साफ्टवेयर एप्लिकेशन की संभावनाओं के बारे में बात किया करते थे। नंदन की सोच उनके समान ही थी। वे नौकरी छोड़कर अपनी साफ्टवेयर कंपनी खोलना चाहते थे जो विदेशी क्लाइंट के लिए साफ्टवेयर बनाए और कंप्यूटर से जुड़ी सेवाएं दे। उस समय कंप्यूटर को आयात करना आसान नहीं था और उनके पास उद्यम के लिए अधिक पूंजी भी नही थी, लेकिन उन्हें यकीन था कि सभी अपने क्षेत्र में अनुभवी और पारंगत है और एकदूसरे का साथ देंगे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगें।